RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

# बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः338, शुक्रवार, 23 जनवरी 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

ओवरलोडेड ट्रैक्टर-ट्रॉली पर प्रशासन सख्त, सुगौली चीनी मिल का किया गया निरीक्षण 03

वसंत पंचमी पर श्रद्धालुओं की भीड़ को लेकर अरेराज नगर पंचायत अलर्ट, व्यापक स्तर पर... 04

भूमि पेडनेकर की सीरीज दलदल का टीजर रिलीज, वेब सीरीज में दिखेगा... 07

## कांग्रेस सांसद शक्ति सिंह के भतीजे ने पत्नी को मारी गोली

- एंबुलेंस टीम की मौजूदगी में खुद को भी गोली मारी, 2 महीने पहले शादी हुई थी

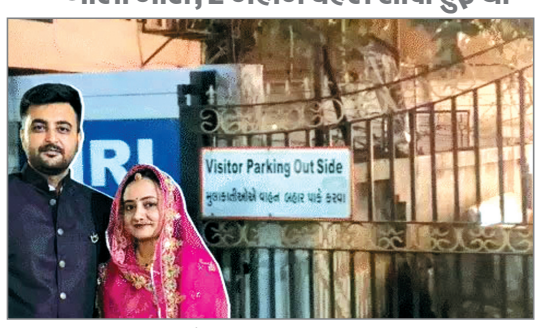


**अहमदाबाद (एजेंसी)।** गुजरात से कांग्रेस के राज्यसभा सांसद शक्ति सिंह गोहिल के भतीजे यशराज सिंह गोहिल ने पत्नी की गले में गोली लगने से हुई मौत के बाद आत्महत्या कर ली। यशराज की शादी दो महीने पहले ही हुई थी। पुलिस के मुताबिक यशराज ने बुधवार रात 11.45 बजे 108 पर कॉल करके एंबुलेंस को बुलाया था। कॉल में यशराज ने पत्नी राजेश्वरी के घायल होने की बात कही थी। मौके पर पहुंची मेडिकल टीम ने राजेश्वरी को मृत घोषित कर दिया। इससे पहले यशराज ने एंबुलेंस टीम को बताया कि उससे लाइसेंसी पिस्टल से गलती से गोली चल गई थी, जो सीधे पत्नी के गले में जा लगी। मेडिकल टीम जब राजेश्वरी का शव एंबुलेंस में रखने के लिए बाहर गई, तभी यशराज ने कमरे में जाकर खुद को गोली मार ली। यशराज की भी मौके पर मौत हो गई थी। यशराज सिंह गुजरात समुद्री बोर्ड में अधिकारी के पद पर कार्यरत थे। उन्हें हाल ही में क्लास 2 से क्लास 1 अधिकारी के रूप में प्रमोट किया गया था। मामले की जांच शुरू हो गई है।

## मुंबई समेत 15 नगर निगम में होंगी महिला महापौर

- लॉटरी सिस्टम से हुआ निर्णय, परभणी निगम में विवाद
- उद्धव गुट का बड़ा आरोप-बीएमसी के लिए नियम बदले

**मुंबई (एजेंसी)।** महाराष्ट्र के 29 नगर निगमों में से मुंबई समेत 15 में महिलाएं मेयर होंगी। गुरुवार को मुंबई में लॉटरी सिस्टम से इन्हें चुना गया। परभणी नगर निगम पर महिला महापौर को लेकर आपत्ति दर्ज की गई है। लॉटरी सिस्टम पर शिवसेना नेता और मुंबई की पूर्व मेयर किशोरी पेडनेकर ने विरोध किया। उन्होंने दावा किया कि यह फैसला लेने के नियम बिना किसी को बताए बदल दिए गए। पिछले दो मेयर सामान्य वर्ग के थे, इसलिए नई मेयर अन्य पिछड़ा वर्ग या अनुसूचित जनजाति वर्ग से होना चाहिए था। 29 में से 12 सीटें एससी, एसटी, ओबीसी कैटेगरी के लिए आरक्षित की गई हैं, जबकि 17 सीटें सामान्य वर्ग के लिए हैं। शिंदे के गढ़ ठाणे में महापौर एससी कैटेगरी का होगा। मुंबई में 8वीं बार महिला को यह पद मिलेगा। इससे पहले किशोरी पेडनेकर मेयर थीं। इन नगर निगमों में 15 जनवरी को मतदान हुआ था और रिजल्ट 16 जनवरी को आया था। मेयर के लिए कैटेगरी रिजर्वेशन के बाद तय तारीख पर उम्मीदवार पर्चा भरेंगे। तारीख का ऐलान बाद में किया जाएगा।

## भोजशाला में दोपहर 12 बजे तक पूजा, फिर नमाज होगी

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा-नमाज के बाद दोबारा पूजा कर सकेंगे
- अखंड पूजा वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश के धार की भोजशाला में हिंदू पक्ष से 12 बजे तक पूजा करने के लिए कहा है। इसके बाद मुस्लिम पक्ष नमाज पढ़ेगा। हिंदू पक्ष शाम 4 बजे से फिर पूजा कर सकेगा। हिंदू पक्ष ने 23 जनवरी को बसंत पंचमी पर पूरे दिन अखंड सरस्वती पूजा की अनुमति के लिए 20 जनवरी को याचिका दायर की थी। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को फैसला सुनाया है। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल पंचोली की पीठ ने की। सुनवाई के दौरान हिंदू पक्ष के वकील ने कहा कि बीते कुछ वर्षों से बसंत पंचमी शुक्रवार को पड़ रही है। कल बसंत पंचमी है और सूर्योदय से सूर्यास्त तक पूजा, हवन और पारंपरिक अनुष्ठान होंगे। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के वकील ने अदालत को आश्वस्त किया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने की पूरी व्यवस्था की जाएगी, जैसा कि पूर्व वर्षों में किया जाता रहा है।

**'नमाज के लिए विशेष क्षेत्र उपलब्ध कराया जाएगा'-** सुप्रीम कोर्ट ने एक संतुलित समाधान अपनाते हुए कहा कि दोपहर 1 से 3 बजे तक नमाज के लिए परिसर के भीतर ही एक अलग और विशेष क्षेत्र उपलब्ध कराया जाएगा, जहां आने-जाने के लिए अलग प्रवेश और निकास मार्ग होंगे, ताकि नमाज शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके। इसी तरह हिंदू समुदाय को भी बसंत पंचमी के अवसर पर पारंपरिक धार्मिक अनुष्ठान करने के लिए परिसर में अलग स्थान उपलब्ध कराया जाएगा। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह व्यवस्था सांप्रदायिक सौहार्द और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से की गई है। प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं कि दोनों समुदायों के धार्मिक आयोजनों में किसी तरह की बाधा न आए और शांति बनी रहे।

**मस्जिद पक्ष बोला-**

### नमाज के बाद परिसर खाली कर देंगे

मस्जिद पक्ष के वकील ने कहा कि दोपहर 1 से 3 बजे के बीच नमाज अदा की जाएगी। इसके बाद परिसर खाली कर दिया जाएगा। हिंदू पक्ष की ओर से यह सुझाव दिया गया कि नमाज शाम 5 बजे के बाद कराई जाए, ताकि पूजा निर्बाध चल सके। इस पर मस्जिद पक्ष ने स्पष्ट किया कि जुमे की नमाज का समय बदला नहीं जा सकता। अन्य नमाजों के समय में बदलाव संभव है।

**कलेक्टर बोले-**

- **बैठक करके रणनीति बनाएंगे-** सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद धार कलेक्टर प्रियंक मिश्रा भोजशाला पहुंचे और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। कलेक्टर ने कहा- हमारे वकील आदेश को पढ़ रहे हैं। आधिकारिक रूप से आदेश मिलने के बाद हम मीडिया को ब्रीफ करेंगे। फिर सभी के साथ बैठक करके आगे की रणनीति पर बात करेंगे। प्रशासन ने सभी से अपील की है कि वह सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अलग-अलग व्याख्या न करें। भोजशाला मुक्ति यज्ञ के संयोजक गोपाल शर्मा ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का आदेश अभी हमने स्पष्ट रूप से पढ़ा नहीं है।

## जम्मू कश्मीर के डोडा में बड़ा हादसा

- 200 फिट गहरी खाई में गिरी सेना की गाड़ी
- 10 जवानों की हो गई मौत, 21 जवान सवार थे
- 11 घायलों को एयरलिफ्ट किया गया, हुए भर्ती

**श्रीनगर (एजेंसी)।** जम्मू कश्मीर के डोडा जिले में गुरुवार को एक सेना की गाड़ी 200 फीट गहरी खाई में गिर गई। हादसे में 10 जवानों की मौत हो गई है। सेना के अधिकारी ने बताया कि गाड़ी में 21 जवान सवार थे।

गंभीर रूप से 11 घायलों को उधमपुर मिलिट्री हॉस्पिटल के लिए एयरलिफ्ट किया गया है। अधिकारी के मुताबिक यह हादसा भद्रवाह-चंबा इंटरस्टेट रोड पर खन्नी टॉप पर हुआ। सभी जवान एक ऊपरी इलाके में स्थित पोस्ट पर जा रहे थे, तभी ड्राइवर ने गाड़ी से कंट्रोल खो दिया। यह हादसा भद्रवाह-चंबा अंतरराज्यीय मार्ग पर खन्नी टॉप के पास हुआ। गुरुवार को सेना के जवान एक ऊंचाई पर स्थित चौकी की ओर जा रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि अचानक से चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया। इसके बाद गाड़ी बेकाबू होकर नीचे खाई में जा गिरा।

- **उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने हादसे पर जताया शोक-** उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने डोडा सड़क हादसे में 10 जवानों के बलिदानी होने पर शोक जताया है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि डोडा में एक दुखद सड़क हादसे में हमारे 10 बहादुर भारतीय सेना के जवानों की जान जाने से बहुत दुख हुआ। हम अपने बहादुर सैनिकों की बेहतरीन सेवा और सर्वोच्च बलिदान को हमेशा याद रखेंगे। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं।

## डिफेंस प्रोडक्शन में भारत की ऐतिहासिक छलांग

**तेजी से बढ़ रहा है निर्यात,आयात हुआ काफी कम**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत ने वित्त वर्ष 2024-25 में 1.54 लाख करोड़ रुपये के रक्षा उत्पादन के साथ रक्षा क्षेत्र में एक नया मुकाम हासिल किया है, जो देश का अब तक का सबसे उच्च रक्षा उत्पादन है। यह स्वदेशी रक्षा उत्पादन में महत्वपूर्ण छलांग है। यह सरकार की आत्मनिर्भर भारत पहल की सफलता को रेखांकित करती है। रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया (डीएपी 2020) और रक्षा खरीद नियमावली (डीपीएम 2025) ने रक्षा खरीद में गति, पारदर्शिता और नवाचार को बढ़ावा दिया है, जिसके चलते अब 65 प्रतिशत उपकरण देश में ही उत्पादित हो रहे हैं। इससे आयात पर निर्भरता कम हुई है। उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में रक्षा औद्योगिक गलियारों की स्थापना से 9,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश होगा।

### बांग्लादेश का भारत में टी-20 वर्ल्डकप खेलने से इंकार

**ढाका (एजेंसी)।** बांग्लादेश ने भारत में टी-20 वर्ल्ड कप खेलने से इनकार कर दिया है। एजेंसी के अनुसार बीसीबी के प्रेसीडेंट अमीनुल इस्लाम बुलबुल ने कहा है कि हम टी-20 वर्ल्ड कप खेलना चाहते हैं, लेकिन भारत में नहीं। हम आईसीसी से एक बार फिर बात करेंगे और कहेंगे कि वे हमारी चिंताओं पर ध्यान दें। बुलबुल के अनुसार आईसीसी बोर्ड मीटिंग में कुछ फैसले चौंकाने वाले रहे। मुस्तफिजुर से जुड़ा मामला कोई एकल घटना नहीं है। इस पूरे मुद्दे में भारत ही अकेला फैसला लेने वाला पक्ष था। बीसीबी अध्यक्ष ने कहा कि बांग्लादेश इस मसले पर अपनी लड़ाई जारी रखेगा और आईसीसी के साथ संवाद बंद नहीं किया जाएगा। एक दिन पहले एक दिन की मोहलत दी थी।

## धर्म की आड़ में सनातन को बदनाम करने की साजिश

- सीएम योगी बोले-ऐसे लोगों से रहें सतर्क, चेतावनी भी दी

**बयान को स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद विवाद से जोड़ा जा रहा**

सोनीपत (एजेंसी)। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरा नंद सरस्वती और यूपी सरकार के बीच विवाद अब नए मोड़ पर पहुंच गया है। मौनी अमावस्या के दौरान स्नान को लेकर शुरू हुए विवाद के बाद अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती यागराज माघ मेले में ही धरने पर बैठे हैं और प्रशासन से उनकी लड़ाई जारी है। अविमुक्तेश्वरानंद ने योगी आदित्यनाथ को सनातन के लिए औरंगजेब से बुरा बताते हुए आलोचना की थी। इसके जवाब में योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संत के लिए धर्म से बढ़कर कुछ नहीं हैं। सन्यासी के लिए धर्म और राष्ट्र सर्वोपरि होते हैं। उसकी व्यक्तिगत प्रॉपर्टी भी कुछ नहीं होती। धर्म ही उसकी प्रॉपर्टी होती है। राष्ट्र ही उसका स्वाभिमान होता है। कई कालनेमि धर्म की आड़ लेकर सनातन को कमजोर कर रहे हैं। धर्म के खिलाफ आचरण करने वाला सनातन परंपरा का प्रतिनिधि नहीं हो सकता है। अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की ओर से योगी आदित्यनाथ को औरंगजेब बताने से शंकराचार्य का विवाद और गहरा गया है। हरियाणा के सोनीपत में योगी आदित्यनाथ ने अब नाम लिए बगैर अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती पर जवाबी हमला किया है। सीएम योगी ने कहा कि धर्म केवल वेश या शब्दों में नहीं, बल्कि आचरण में दिखाई देना चाहिए। सनातन को कमजोर करने वालों कालनेमि बता दिया।

- **हरियाणा और मुरथल के लोगों की प्रशंसा कर भरा जोश-** सीएम योगी ने कहा, मुरथल में एक संत ने मांसाहार न खाने का संकल्प दिलाया, आज यहां कोई माहांसार नहीं बेचता, यह संत का आशीर्वाद है, इसलिए यहां नागेवाला धाम बन गया, यह आध्यत्मिक ऊर्जा का तेज है, नशा नाश का कारण है, नशा नहीं होने देंगे, यह संकल्प लें। देश का दुश्मन जब कोई षड्यंत्र नहीं कर पा रहा तो वह युवाओं को खराब कर नशे का जाल फैलाता है, हम यह नहीं होने देंगे। सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ अभियान चलाना चाहिए, धर्म केवल उपासना विधि नहीं है, इसे थोपा नहीं जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा, अच्छा करेंगे तो पुण्य मिलेगा और उन पर कोई डकैती नहीं डाल पाएगा।

## सीवान में नीतिश की सभा से थोड़ी दूर पर ब्लास्ट

**सीवान (एजेंसी)।** सीवान में सीएम नीतिश की सभा से थोड़ी दूर पर ब्लास्ट हुआ है। ये धमाका पटाखा बनाने के दौरान एक घर में हुआ। इसमें एक की मौत हुई है। धमाके की आवाज 2 किमी दूर तक सुनी गई। धमाका इतना जोरदार था कि मरने वाले का सिर और पैर 20 फीट दूर जाकर गिरा। धड़ के भी चिथड़े उड़ गए हैं। मृतक की पहचान बड़रम गांव के जाल बदर के 50 साल के मुर्तुजा मंसूरी के रूप में हुई है। ब्लास्ट की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची है। घायलों को अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। धमाके की वजह से घर भी गिर गया है। ये धमाका हुसैनगंज थाना इलाके में बडरम गांव में हुआ है।

## 'वीबी राम जी' जुमला है, गरीबों के हक पर हमला है

- राहुल बोले, मनरेगा बचाओ सम्मेनल में सिर पर गमछा बांधा

**कंधे पर कुदाल भी रखी, खरगे के साथ पौधे में मिट्टी डाली**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को नई दिल्ली में कहा कि वे वीबी-राम-जी बिल के बारे में नहीं जानते। उन्होंने कहा, 'वीबी-राम-जी' जुमला है, गरीबों के हक पर हमला है। राहुल ने गरीबों से अपील की कि वे इस नए बिल के विरोध में एकजुट हों। राहुल रचनात्मक कांग्रेस के राष्ट्रीय मनरेगा श्रमिक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन में राहुल और खड़गे ने सिर पर गमछा बांधा, कंधे पर कुदाल रखी और देशभर से मजदूरों की लाई मिट्टी पौधों में डाली। सम्मेलन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को आरोप लगाया कि सरकार का मनरेगा को निरस्त करना महात्मा गांधी के नाम को लोगों की स्मृति से मिटाने की कोशिश है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी संसद के आगामी बजट सत्र में इस मुद्दे को मजबूती से उठाएगी। राहुल ने कहा कि मनरेगा गरीबों को अधिकार देने के लिए लाई गई योजना थी। इसका उद्देश्य जरूरतमंदों को काम देना था। यह योजना सरकार के तीसरे स्तर यानी पंचायती राज के माध्यम से चलाई जानी थी। अधिकार शब्द महत्वपूर्ण था।

**कांग्रेस देशभर में कर रही है बिल का विरोध-** सम्मेलन में देश भर के श्रमिकों ने भाग लिया और अपने कार्यस्थलों से मुट्ठी भर मिट्टी लाकर खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की उपस्थिति में प्रतीकात्मक रूप से पौधों में डाली। कांग्रेस ने 10 जनवरी को यूपीए सरकार के महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को निरस्त किए जाने के विरोध में 45 दिनी राष्ट्रव्यापी अभियान मनरेगा बचाओ संग्राम की शुरुआत की थी। विपक्षी दल विकसित भारत - रोजगार आजीविका मिशन (ग्रामीण) गारंटी अधिनियम को वापस लेने और मनरेगा को उसके मूल स्वरूप में, यानी काम करने के अधिकार और पंचायतों के अधिकार को बरकरार रखते हुए, एक कानून के रूप में बहाल करने की मांग की।

## 1 करोड़ का ईनामी समेत 11 नक्सली ढेर

- सारंडा जंगल में सर्च ऑपरेशन के दौरान बड़ा एनकाउंटर

**पुलिस, कोबरा बटालियन और सेंट्रल फोर्स हुए शामिल**

**चाईबासा (एजेंसी)।** झारखंड में मुठभेड़ में 11 से ज्यादा नक्सली ढेर हुए हैं। पश्चिमी सिंहभूम जिले के सारंडा जंगल में गुरुवार सुबह से सुरक्षाबलों और भाकपा (माओवादी) नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। हालांकि अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। गुरुवार तड़के मुठभेड़ शुरू हुई। आसपास का इलाका गोलियों की आवाज से गूंज उठा। जानकारी के मुताबिक झारखंड पुलिस, कोबरा और सेंट्रल पुलिस फोर्स के जवानों की सर्चिंग के दौरान 1 करोड़ के इनामी नक्सली अनल दा के दस्ते के साथ मुठभेड़ हुई। उसके दस्ते में 14 से अधिक नक्सली हैं। लगातार हो रही मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 11 से अधिक नक्सलियों को मार गिराया है। बताया जा रहा है कि एक करोड़ के इनामी नक्सली अनल दा भी मारा गया है। हालांकि, इसके मारे जाने की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

- **एंटी नक्सल ऑपरेशन के दौरान मुठभेड़-** सुरक्षाबल नक्सल विरोधी अभियान के तहत सारंडा के घने जंगलों में सर्च ऑपरेशन चला रहे थे। इसी दौरान जंगल में पहले से घात लगाए बैठे नक्सलियों ने अचानक फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में सुरक्षाबलों ने भी मोर्चा संभाल लिया, जिसके बाद मुठभेड़ तेज हो गई। सारंडा का इलाका दुर्गम पहाड़ियों और घने जंगलों से घिरा हुआ है, जहां नक्सलियों की लंबे समय से गतिविधियां रही हैं। जंगल के भीतर बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। पूरे क्षेत्र को चारों ओर से घेर लिया।
- **50 लाख का ईनामी नक्सली कमांडर ढेर-** कोल्हान प्रमंडल के एसपी अनुरंजन किस्पोट्टा ने मुठभेड़ की पुष्टि करते हुए बताया कि सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। ऑपरेशन पूरा होने के बाद ही विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी। सूत्रों की माने तो मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 50 लाख रुपए के ईनामी एक बड़े नक्सली कमांडर को भी मार गिराया है। हालांकि इस दावे पर भी अब तक मुहर नहीं लगी है। एक करोड़ का इनामी अनल दा उर्फ तूफान का असली नाम पतिराम मांझी उर्फ पतिराम मरांडी उर्फ रमेश था। वो गिरिडीह जिले के पीरटांड थाना इलाके के झरहाबाले गांव का रहने वाला था। उसके पिता का नाम टोटो मरांडी था।

## संक्षिप्त समाचार

### यारपुर में नया गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन, 60% काम हुआ पूरा, जल्द शुरू होगा मशीन इंस्टॉलेशन

**पटना।** पटना नगर निगम के नूतन राजधानी अंचल अंतर्गत वर्तमान में संचालित गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन को यारपुर क्षेत्र में शिफ्ट किया जाएगा। इसे लेकर तैयारी की जा रही है। इस गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन का 60 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। वहीं, बचे हुए काम को निर्धारित समय सीमा के अंदर पूरा करने का निर्देश दिया गया है। इसके निर्माण कार्य के साथ-साथ ही मशीन इंस्टॉलेशन की प्रक्रिया भी जल्द शुरू की जाएगी। इसके बाद कचरे के कलेक्शन, सेग्रीगेशन और ट्रांसफर की व्यवस्था अधिक प्रभावी रूप से संचालित होगी। नगर आयुक्त यशपाल मीणा ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि यारपुर में गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन का निर्माण और शिफ्टिंग पटना नगर निगम की स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। कचरे का साइंटिफिक तरीके से सेग्रीगेशन और मैनेजमेंट होने से पर्यावरण प्रदूषण में कमी आएगी। स्वच्छता व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी। इसके साथ ही काम गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पूरा किया जाए। यारपुर गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन पूरी तरह से ऑटोमेटेड होगा। इसे 10.79 करोड़ रुपए में तैयार किया जा रहा है। यहां कचरा अपने आप लोड और अनलोड होगा। इसके साथ ही कचरा अनलोड करने के बाद गाड़ियां अपने आप धुल कर निकलेंगी। इसके लिए यहां विशेष रूप से डिजाइन की गयी वाशिंग पिट बनाई जाएगी। इसमें अलग-अलग एंगल से तेजी से पानी फेंकने वाले जेटी इस तरह लगे होंगे कि यहां से होकर गुजरने के दौरान महज दो-तीन मिनट में वाहन धुल जाएंगे। पूरी तरह ढका होने के कारण इस कचरा ट्रांसफर स्टेशन के आसपास रहने वालों या उनके पास से गुजरनेवालों को बदबू नहीं झेलनी पड़ेगी।

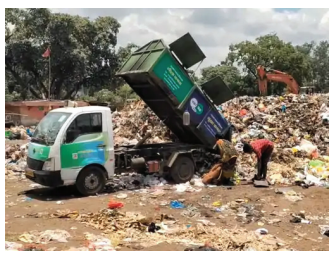

### रणजी का फाइनल मुकाबला जीतने मैदान में उतरेगी बिहार टीम, मणिपुर के साथ आज से मैच

**पटना।** रणजी ट्रॉफी प्लेट ग्रुप का मुकाबला जीतने के लिए आज से बिहार टीम मैदान में उतरेगी। आज से फाइनल मुकाबला बिहार और मणिपुर के बीच मोईन-उल-हक स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मैच को जीतने के बाद बिहार एलीट ग्रुप में पहुंच जाएगा। एलीट का मतलब अगले सत्र में उन मजबूत टीमों से मुकाबला, जिनमें भारतीय क्रिकेट टीम के सदस्य भी खेलते नजर आएंगे। यानी कि बिहार के खिलाड़ियों का सामना रोहित शर्मा, हार्दिक पांड्या जैसे दिग्गज खिलाड़ियों से होगा। इस फाइनल मुकाबले को लेकर बिहार क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मैदान की पिच, आउटफील्ड और अभ्यास सुविधाओं पर विशेष रूप से ध्यान दिया गया है। हालांकि, बिहार क्रिकेट एसोसिएशन ने दर्शक दीर्घा की जर्जर स्थिति और सुरक्षा कारणों को ध्यान में रखते हुए दर्शकों को मैच देखने के लिए स्टेडियम में प्रवेश की अनुमति नहीं दी है। मैच से संबंधित जानकारी और अपडेट्स BCCI TV के माध्यम से उपलब्ध रहेंगे। 3 साल पहले मोइनुल हक स्टेडियम में मणिपुर को ही हराकर बिहार एलीट ग्रुप में पहुंचा था। 2022-23 से लगातार 2 वर्ष टीम एलीट ग्रुप का हिस्सा रही। पिछले सत्र में उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश जैसी टीमों के सामने हार हुई। कुछ मुकाबले खराब मौसम के कारण ड्रॉ भी रहे। कम अंक की वजह से बिहार टीम प्लेट ग्रुप में आ गई। इस बार एलीट में वापसी का बेहतर अवसर है। इस सत्र में बिहार के बल्लेबाजों का प्रदर्शन शानदार रहा है। बिहार ने पहले ही मुकाबले में जीत का खाता खोला था। अरुणाचल को एक पारी और 165 रनों से पराजित किया था। इसके बाद गुजरात नाडियाड में बिना टॉस के हुआ मैच ड्रा रहा था। मोइनुल हक स्टेडियम में 2 दिन का ही खेल हो सका था, जो बराबरी पर रहा। सिक्किम के खिलाफ भी मैच ड्रा हुआ था। उसके 429 रनों के जवाब में बिहार ने पहली पारी में 265 और दूसरी पारी में 115.1 ओवर में छह विकेट 392 रन बनाए।

### एससी-एसटी मामले में हाजीपुर पुलिस ने की कार्रवाई

**हाजीपुर।** वैशाली के सहदेई बुजुर्ग प्रखंड की नयागांव पश्चिमी पंचायत की मुखिया रीता देवी के पति सुनील कुमार महतो को गिरफ्तार किया गया है। उन पर आवास योजना में नाम जोड़ने के बहाने मारपीट, छिनतई और जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करने का आरोप है। हाजीपुर एससी-एसटी थाना पुलिस ने यह कार्रवाई की है। गिरफ्तार सुनील महतो, जो नयागांव पश्चिमी निवासी स्वर्गीय विजय महतो के पुत्र हैं, उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। एससी-एसटी थाना अध्यक्ष ने इस गिरफ्तारी की पुष्टि की। देसरी थाना के नयागांव सैनी पोखर निवासी चंदन कुमार ने 18 फरवरी 2025 को मुखिया पति के खिलाफ एससी-एसटी थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। प्राथमिकी के अनुसार, चंदन कुमार को आवास योजना में नाम जोड़ने के लिए मुखिया रीता देवी के आवास पर बुलाया गया था। वहां पंचायत रोजगार सेवक सह प्रभारी आवास सहायक संजय कुमार ने उनसे 2,000 रुपये की मांग की। चंदन कुमार द्वारा पैसे देने से इनकार करने और विरोध जताने पर, सुनील महतो, एक अन्य चंदन कुमार (पिता सुनील महतो), और संजय कुमार ने मिलकर गाली-गलौज की और जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल किया। उन्होंने कथित तौर पर कहा कि अब 5,000 रुपये रंगदारी देने पर ही आवास योजना में नाम जोड़ा जाएगा। विरोध करने पर तीनों ने चंदन कुमार को धक्का देकर जमीन पर पटक दिया और लात-घूंसों से पीटा। आरोप है कि एक चंदन कुमार ने अपनी कमर से पिस्तौल निकालकर कनपटी पर सटा दी और धमकी दी कि जब तक रंगदारी नहीं मिलेगी, नाम नहीं जुड़ेगा। सुनील महतो ने कथित तौर पर चंदन कुमार के गले में गमछा डालकर जान से मारने की कोशिश की। चंदन कुमार के गिड़गिड़ाने पर कुछ राहगीरों के बीच-बचाव से गमछा छोड़ा गया, लेकिन उन्हें एक खंभे से बांध दिया गया। बाद में, उनके परिवार के सदस्यों को जानकारी मिलने पर वे मौके पर पहुंचे।

### पुलिस ने गंगा किनारे से 1070 लीटर शराब जब्त की

**हाजीपुर।** वैशाली पुलिस के शराब विरोधी अभियान के तहत बिदुपुर थाना क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए 1070 लीटर देसी शराब जब्त की गई है। इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है और अन्य संभावित शामिल लोगों की तलाश जारी है। बिदुपुर थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि गंगा नदी के किनारे अवैध शराब का परिवहन किया जा रहा है। इस सूचना के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नदी तट पर एक टेम्पो (छोटा मालवाहक वाहन) का पता लगाया। वाहन की तलाशी लेने पर पुलिस को 1070 लीटर देसी शराब से भरे कन्टेनर बरामद हुए। बिदुपुर थाना प्रभारी रवि प्रकाश ने बताया कि शराब के साथ पकड़े गए आरोपी से पूछताछ की जा रही है। उन्होंने कहा कि यह शराब किस मार्ग से आई और इसे कहां पहुंचाया जाना था, इसकी जांच की जा रही है। इस नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों का पता लगाने के लिए भी पुलिस जुटी हुई है। इस संबंध में थाने में कानूनी प्रक्रिया के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की कार्रवाई चल रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, जिले में अवैध शराब के निर्माण, भंडारण, परिवहन और बिक्री के खिलाफ लगातार निगरानी और अभियान चलाया जा रहा है। इस कार्रवाई का उद्देश्य अवैध शराब व्यापार पर अंकुश लगाना और लोगों को इसके सेवन से होने वाले स्वास्थ्य नुकसान के प्रति जागरूक करना है। वैशाली पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे शराब का सेवन न करें और न ही अवैध रूप से इसके कारोबार में शामिल हों। पुलिस की चेतावनी है कि ऐसे किसी भी कार्य में लिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस मामले में सार्वजनिक सहयोग से मिली सूचना को कार्रवाई की सफलता का आधार बताते हुए पुलिस ने लोगों से ऐसी किसी भी गतिविधि की सूचना तुरंत देने का आग्रह किया है।

# टोल फ्री नंबर नहीं लगा तो दफ्तर पहुंचे डिप्टी सीएम

## विजय सिन्हा को देखकर व्यवस्थाएं ठीक करने लगे अधिकारी, सभी को लगाई फटकार

एजेंसी, पटना

डिप्टी सीएम सह भूमि सुधार एवं राजस्व मंत्री विजय कुमार सिन्हा आज अचानक सगुना मोड़ स्थित CSC (कॉमन सर्विस सेंटर) के रीजनल सेंटर पहुंच गए। यहां भूमि राजस्व विभाग के टोल फ्री सेंटर का निरीक्षण किया। विजय सिन्हा के अचानक पहुंचने से अधिकारी और कर्मचारी तुरंत व्यवस्थाएं दुरुस्त करने में जुट गए। भूमि राजस्व विभाग की ओर से आम लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए टोल फ्री नंबर 18003456215 जारी किया गया है। जिसपर लगातार कॉल नहीं लगने की शिकायतें मिल रही थीं। जिसके बाद उप मुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने पहले खुद अपने स्तर से टोल फ्री नंबर पर कॉल लगवाया,

लेकिन जब कॉल नहीं लगा तो वे खुद मामले की सच्चाई जानने के लिए टोल फ्री सेंटर पहुंच गए।

विजय सिन्हा ने अधिकारियों से कहा कि कितनी शिकायतें आती हैं, मैंने टोल फ्री नंबर पर परसो, कल और आज भी फोन लगवाया। पूरा ब्योरा कहां है दिखाइए। जिसके बाद अधिकारियों ने मंगलवार के डाटा के बारे में बताया कि कुल 1008 कॉल को अटेंड किया गया है। जिसके बाद विजय सिन्हा ने कहा 5 कॉल निकालो मैं खुद बात करूंगा। जिसके बाद टोल फ्री नंबर पर लोगों की समस्या डिप्टी सीएम ने खुद सुनीं। फोन पर डिप्टी सीएम ने शख्स से पूछा कितनी देर से आप फोन लगा रहे थे। इससे पहले भी फोन लगाया था क्या ?

**को फटकार लगाईः** उप मुख्यमंत्री ने सिस्टम की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई और सभी को फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि सरकार जनता की सुविधा के लिए योजनाएं और व्यवस्थाएं करती है, लेकिन अगर वही व्यवस्था जमीन पर काम नहीं कर रही है तो यह गंभीर लापरवाही है।

**अधिकारियों को लगाई फटकारः** विजय सिन्हा ने मौके पर मौजूद विभागीय पदाधिकारियों और CSC प्रबंधन से पूरी जानकारी ली और फटकार लगाई। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि टोल फ्री नंबर का उद्देश्य आम लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान करना है, न कि सिर्फ कागजों में व्यवस्था दिखाना। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि टोल फ्री सिस्टम को तुरंत पूरी तरह दुरुस्त किया जाए। कॉल रिसीविंग और शिकायत निस्तारण की नियमित मॉनिटरिंग हो। लापरवाही बरतने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए। आम नागरिकों की शिकायतें समय पर सुनी और सुलझाई जाएं।

**जनता के हित में सख्त रुखः** उप मुख्यमंत्री ने कहा कि भूमि राजस्व विभाग आम जनता से सीधे जुड़ा हुआ विभाग है और यहां थोड़ी सी भी लापरवाही लोगों को महीनों तक परेशान कर सकती है। सरकार की मंशा है कि जनता को दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़ें और उनकी समस्या फोन पर ही सुनी जाए।

# गांधी सेतु पर स्कूल ड्रेस में सुसाइड करने पहुंची छात्रा

एजेंसी, पटना

पटना में गांधी सेतु पर सुबह एक स्कूली छात्रा सुसाइड करने के लिए पहुंची थी। पुल की रेलिंग के पास वो अकेले टहल रही थी। तभी कुछ स्थानीय लोगों की नजर उसपर पड़ी। छात्रा को देखकर लोगों को कुछ गड़बड़ लगा, पर उस वक्त तक लोग उसके पास नहीं पहुंचे। कुछ देर के बाद राहगीरों ने छात्रा से बात की कि वो अकेले पुल पर क्या कर रही है। जिसके बाद छात्रा पुल से कूदने की कोशिश करने लगी। देखते-देखते मौके पर भीड़ जुट गई। इतने में ही वहां से डायल-112 की पुलिस गुजर रही थी। भीड़ देखकर पुलिस रुकी और छात्रा को सुसाइड करने से रोका और गाड़ी में बैठाकर थाने ले गई।

छात्रा से जब पूछा गया कि तुम्हारी क्या परेशानी है, मां-पिता कहां हैं। तो उसने बस इतना कहा कि मां-पिता होंगे तब न समस्या बताऊंगी, वो मेरे लिए हैं ही नहीं। ऐसा लग रहा था कि वो अपने घरवालों से नाराज है। पुलिस के आने के बाद मौके पर लोगों की भीड़ और बढ़ गई। छात्रा पुल से नीचे कूद न जाए इसलिए सभी ने उसे घेर रखा था। उसके हाथ पकड़ रखे थे। छात्रा कह रही थी

◆ मां-पिता के बार में पूछने पर छात्रा बोली- मेरे लिए वे नहीं हैं, क्या बताऊं परेशानी

कि मुझे छोड़ दीजिए, मुझे कहीं नहीं जाना है। छात्रा के चेहरे पर काफी तनाव था और स्कूल ड्रेस पहन रखा था। स्कूल का एक बैग भी था। सभी उसे समझा रहे थे कि रेलिंग से हटो, पर वो मान ही नहीं रही थी। जिसके बाद 3-4 महिलाओं ने मिलकर उसे रेलिंग से दूर किया, फिर पुलिस वालों ने उसे गाड़ी में बैठा लिया। थाने में छात्रा को फिलहाल बैठाया गया है। उसकी काउंसलिंग की जा रही है। पुलिस उसके माता-पिता के बारे में भी पता लगाने की कोशिश कर रही है। छात्रा ने किस वजह से यह कदम उठाया। इसके बारे में भी जानने की कोशिश की जा रही है।

# बिहार में अगले एक सप्ताह मौसम रहेगा सामान्य

एजेंसी, पटना

बिहार में कड़ाके की ठंड से लोगों को राहत मिली है। दिन में धूप निकल रही है, जिससे ठंड काम महसूस हो रही है। लेकिन शाम होते ही ठंड बढ़ रही है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, दिन में लगातार धूप निकलने से न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी की संभावना है। वहीं, अगले एक सप्ताह तक कड़ाके की ठंड या घने कोहरे को लेकर कोई अलर्ट जारी नहीं किया गया है। इस दौरान मौसम में कोई बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। सुबह और रात में ठंड महसूस होगी, लेकिन दिन में ठंड से राहत मिलेगी।

**पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय नहींः** मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, फिलहाल कोई मजबूत पश्चिमी विक्षोभ (Western

Disturbance) सक्रिय नहीं है। आमतौर पर पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से उत्तर भारत और बिहार में ठंड बढ़ती है, बादल छाते हैं या कहीं-कहीं हल्की बारिश होती है। फिलहाल, इस समय ऐसे किसी सिस्टम के सक्रिय नहीं होने के कारण वातावरण सामान्य बना हुआ है। तापमान में भी धीरे-धीरे बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। यही वजह है कि दिन में धूप निकल रही है, जिससे ठंड कम महसूस की जा रही है। पूर्वानुमान के अनुसार, न्यूनतम तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी होगी। आने वाले दिनों में लोगों को ठंड से थोड़ी और राहत मिलेगी।

# 'बिहार के साथ बैंक सौतेला व्यवहार कर रहा'

एजेंसी, पटना

बिहार में राज्य और केंद्र सरकार की योजनाओं को लेकर बैंकों की कार्यप्रणाली पर सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। पटना के अधिवेशन भवन में आज राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की वित्त विभाग सहित कई विभागों के मंत्रियों और बैंकों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ हुई उच्चस्तरीय बैठक में बैंकों की लापरवाही खुलकर सामने आ गई। बैठक के बाद सरकार के तीन वरिष्ठ मंत्रियों ने बैंकों पर तीखी नाराजगी जाहिर की और कार्यप्रणाली में सुधार की चेतावनी दी। उद्योग मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि बैठक में यह साफ नजर आया कि बैंक राज्य और केंद्र सरकार की योजनाओं पर पूरी तरह खरे नहीं उतर रहे हैं। कृषि मंत्री रामकृपाल यादव ने भी बैंकों पर जमकर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि बैंक बिहार के साथ सौतेला व्यवहार कर रहे हैं।

**विकसित राज्य बनाने के लिए बैंकों का सहयोग बेहद जरूरीः** योजनाओं का लाभ जरूरतमंद लोगों तक नहीं पहुंच पा रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार को विकसित राज्य बनाने के लिए बैंकों का सहयोग बेहद जरूरी है, लेकिन लगातार देखा जा रहा कि बैंक बिहार के लोगों को सहयोग नहीं कर रहे हैं। उन्होंने इसे गंभीर और खतरनाक लापरवाही करार दिया और बैंकों को अपनी कार्यप्रणाली सुधारने का निर्देश दिया। वहीं बैठक के बाद वित्त मंत्री विजेंद्र यादव ने बड़ा फैसला लेते हुए कहा कि बैंकों के कामकाज की निगरानी के लिए एक कमेटी का गठन कर दिया गया है। यह कमेटी राज्य और केंद्र सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर बैंकों की भूमिका पर नजर रखेगी। वित्त मंत्री ने कहा कि बैठक में यह स्पष्ट हुआ कि कई बैंक योजनाओं को सही तरीके से लागू नहीं कर रहे हैं, जिसे किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

**कहा- बैंक बिहार के साथ सौतेला व्यवहार कर रहेः** कृषि मंत्री रामकृपाल यादव ने आरोप लगाया कि बैंक बिहार के साथ सौतेला व्यवहार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बैंक न तो किसानों को

❐ कृषि मंत्री रामकृपाल यादव बोले- लोन नहीं मिलने से विकास बाधित, रवैया सुधारने की दी चेतावनी

समय पर ऋण दे रहे हैं और न ही आम लोगों को योजनाओं का लाभ मिल पा रहा है। इससे बिहार के विकास की रफ्तार प्रभावित हो रही है। रामकृपाल यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री दोनों बिहार को विकसित राज्य बनाना चाहते हैं, लेकिन बैंकों का असहयोग इस लक्ष्य में बड़ी बाधा बन रहा है। बैठक में बैंकों को साफ संदेश दिया गया है कि वे अपना रवैया सुधारें, अन्यथा सरकार कड़े कदम उठाने से पीछे नहीं हटेगी। सरकार ने संकेत दिए हैं कि आने वाले दिनों में बैंकों की जवाबदेही तय की जाएगी और योजनाओं में लापरवाही पर सख्त कार्रवाई हो सकती है।

# पटना में लॉरेंस बिश्नोई गैंग के शूटर का एनकाउंटर

एजेंसी, पटना

पटना में लॉरेंस बिश्नोई गैंग के शूटर परमानंद यादव और पुलिस के बीच मुठभेड़ हुई है। एनकाउंटर में परमानंद यादव के पैर में गोली लगी है। STF की टीम ने परमानंद का पटना से मसौढ़ी तक करीब 20 KM तक पीछा किया और उसके बाद मुठभेड़ हुई। परमानंद यादव लॉरेंस गैंग का बिहार प्रभारी है, वो बिहार-झारखंड मे गैंग से जुड़े काम देखता है। पटना सहित बिहार और झारखंड में हत्या-लूट जैसे 24 से अधिक संगीन केस दर्ज हैं। मुठभेड़ मसौढ़ी थाना इलाके में हुई है।

पुलिस को सूचना मिली थी, लॉरेंस बिश्नोई गैंग का बिहार प्रभारी परमानंद यादव पटना में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने पहुंचा है।

सिटी एसपी पूर्वी परिचय कुमार ने बताया, 'बेऊर थाना पुलिस ने कुछ बदमाशों को बुधवार की देर रात पकड़ा था। लेकिन एक अपराधी पुलिस को चकमा देकर जहानाबाद की ओर भागने लगा। हमारी टीम ने उसका पीछा करना शुरू किया और मसौढ़ी थाना को इसकी सूचना दी गई।' 'करीब 20 किलो मीटर पीछा करने के बाद गुरुवार सुबह 4 बजे बदमाश को पुलिस ने घेर कर बाइक रोकने को कहा, लेकिन वो बाइक से तेजी से भागने लगा। पुलिस भी उसके पीछे थी। बाइक स्लीप करने की वजह से वो जमीन पर गिर गया और फायरिंग करने लगा। पुलिस ने भी फायरिंग की। एक गोली उसके पैर में लगी है। उसे पीएमसीएच में भर्ती कराया गया है।' 'मुठभेड़ में पुलिसकर्मी घायल नहीं हुए हैं। तीन राउंड गोलियां चली हैं। पुलिस ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन भी चलाया।'

**झारखंड का रहने वाला है, वहीं से लॉरेंस गैंग ऑपरेट करताः** परमानंद यादव (पिता रामकेवल यादव) मूल रूप से झारखंड के लातेहार जिले के चटेर, चंदवा गांव का रहने वाला है। वो बिहार-झारखंड में अपना नेटवर्क खड़ा करना चाहता था। परमानंद झारखंड के लातेहार से सबकुछ ऑपरेट कर रहा था। पुलिस की माने तो परमानंद यादव पर बिहार और झारखंड में 24 से ज्यादा केस दर्ज हैं। STF इसके पीछे लगभग डेढ़ साल से भी अधिक समय से लगी हुई थी।

# होटल, कॉन्फ्रेंस हॉल-अम्यूजमेंट पार्क बनाने के पर्यटन विभाग देगा पैसे

एजेंसी, पटना

बिहार के किसी जिले में होटल, कॉन्फ्रेंस हॉल, एम्यूजमेंट पार्क, आदि का निर्माण करने पर पर्यटन विभाग कुल लागत में 30% तक वित्तीय मदद देगा। ये बातें पर्यटन सचिव नीलेश रामचंद्र देवरे ने बिहार पर्यटन नीति के 21 उद्यमियों के साथ आज एक महत्वपूर्ण बैठक करते हुए कही। पर्यटन सचिव ने कहा कि विभाग का लक्ष्य है कि हर जिले में पर्यटकीय सुविधाओं का निर्माण हो ताकि पर्यटकों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़े। नीलेश रामचंद्र देवरे ने कहा कि उद्यमी उच्चस्तरीय पर्यटकीय सुविधाएं, जिसमें बेहतर आवासन के लिए सुविधायुक्त स्टार होटल, साफ-सुथरे और व्यवस्थित

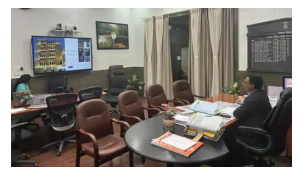

प्रसाधन केंद्र युक्त मार्गीय सुविधाओं से लेकर कॉन्फ्रेंस हॉल, एम्यूजमेंट पार्क आदि का निर्माण करने के लिए पर्यटन विभाग पर्यटन नीति के तहत कुल लागत में 30% तक वित्तीय मदद दे रहा है। इसका लाभ उठाएं और एम्प्लॉयमेंट प्रोवाइडर बनकर विकसित बिहार बनाने में अपना योगदान दें। पर्यटन सचिव ने इस बैठक में अनुदान के लिए प्रथम स्टेज की स्वीकृति प्राप्त कर चुके उद्यमियों को दूसरे स्टेज यानी वित्तीय स्वीकृति के लिए आवेदन करने का अनुरोध किया।

# पवन सिंह ने 'मिस्ट्री गर्ल' से कहा- जान इधर आओ

एजेंसी, पटना

भोजपुरी इंडस्ट्री के पावर स्टार पवन सिंह की तीसरी शादी की चर्चा तेज है। हाल ही में पवन सिंह मिस्ट्री गर्ल के साथ पार्टी में शामिल हुए। उन्होंने भरी महफिल में एक्ट्रेस से कहा कि तुम तो मेरी जान हो। अब उनकी पत्नी ज्योति सिंह का एक भावुक पोस्ट सामने आया है। ज्योति सिंह ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की है, जिसमें लिखा हुआ है 'सीता वनवास में भी साथ थी, राम तो अयोध्या में भी साथ ना दे सके।' इसके अलावा एक पोस्टर भी शेयर किया है। इस पर लिखा है, 'शिव का अपनाया हुआ अक्सर दुनिया से ठुकराया हुआ होता है।' बीते दिनों पवन सिंह लखनऊ में दोस्त और सिंगर गुंजन सिंह की बर्थ-डे पार्टी में शामिल हुए थे। इस दौरान मिस्ट्री गर्ल भी पवन के साथ दिखीं। दरअसल, यह मिस्ट्री गर्ल अभिनेत्री महिमा सिंह हैं। आजकल हर इवेंट में महिमा को पवन सिंह के साथ देखा जा रहा है। पवन सिंह ने बर्थ-डे पार्टी में महिमा सिंह को सबके सामने जान कहकर पुकारा जिसका वीडियो अब वायरल

❐ ज्योति सिंह बोलीं- सीता वनवास में भी साथ थीं, राम अयोध्या में भी साथ ना दे सके

हो रहा है। इस वीडियो में वो स्टेज से महिला सिंह की ओर इशारा करते करते हुए कहते हैं कि, 'मैं चाहता हूं कि महिमा सिंह जी प्लीज आप इधर आइए। आओ मेरी जान इधर आओ।' गुंजन सिंह के बर्थ डे पार्टी के दौरान भोजपुरी के पावर स्टार पवन सिंह गुस्सा हो गए थे। वे स्टेज से युवक मारने के लिए आगे बढ़ने लगे। वहां मौजूद लोगों और सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें पकड़ लिया। इस दौरान फैन्स बोलते रहे कि, भइया को रोक लो नहीं तो वो उसे पीट देंगे। इसी बीच पार्टी में मौजूद बाउंसर्स ने उस युवक को पकड़ लिया और खींचकर बाहर किया।

# पटना के हर वार्ड में बनेगा 'नगर मित्र'

एजेंसी, पटना

स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत बनाने और आगामी स्वच्छ सर्वेक्षण में बेहतर रैंकिंग हासिल करने के उद्देश्य से पटना नगर निगम ने एक नई पहल की शुरुआत की है। इस योजना के तहत नगर निगम क्षेत्र के हर वार्ड में एक 'नगर मित्र' का चयन किया जाएगा, जो अपने क्षेत्र में स्वच्छता अभियान को जमीनी स्तर पर प्रभावी रूप से लागू कराने में अहम भूमिका निभाएगा। नगर निगम का मानना है कि जब तक आम नागरिक स्वच्छता अभियान से सीधे नहीं जुड़ेंगे, तब तक स्थायी और व्यापक बदलाव संभव नहीं है। इसी सोच के तहत 'नगर मित्र' की अवधारणा लाई गई है, ताकि जनभागीदारी के माध्यम से शहर को साफ-सुथरा और सुंदर बनाया जा सके।

**निगरानी से लेकर जागरूकता तक निभाएंगे अहम भूमिकाः** नगर मित्र की भूमिका केवल निगरानी तक सीमित नहीं होगी, बल्कि वे अपने-अपने इलाकों में स्वच्छता के प्रति सकारात्मक माहौल बनाने, लोगों को जागरूक करने और स्वच्छ

◆ वीएमडी पर दिखाई जाएगी तस्वीर, स्वच्छता सर्वेक्षण रैंकिंग सुधारने के लिए पटना नगर निगम की पहल

आदतें अपनाने के लिए प्रेरित करने का काम भी करेंगे। नगर मित्र अपने निवास स्थान के दोनों ओर लगभग पांच पांच घरों तक की सड़क, गली और आसपास के सार्वजनिक स्थलों की नियमित निगरानी करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी व्यक्ति सड़क, गली, नाली या खुले स्थानों पर कचरा न फेंके।

**सफाई संबंधी समस्या की जानकारी देना भी होगी जिम्मेदारीः** किसी भी प्रकार की सफाई संबंधी समस्या की जानकारी समय पर नगर निगम तक पहुंचाना भी उनकी जिम्मेदारी होगी, ताकि त्वरित और प्रभावी समाधान किया जा सके। इसके साथ ही वे स्थानीय नागरिकों को गीले और सूखे कचरे के अलग अलग करने, डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण में सहयोग, प्लास्टिक के सीमित उपयोग और स्वच्छता से जुड़े नियमों के पालन के लिए प्रेरित करेंगे।

**कैसे होगा नगर मित्र का चयन?:** नगर मित्र के चयन की प्रक्रिया पटना नगर निगम के सफाई इंस्पेक्टर और सिटी मैनेजर की निगरानी में की जाएगी। चयन के दौरान संबंधित क्षेत्र के आसपास के घरों से भी फीडबैक लिया जाएगा, ताकि जिम्मेदार, जागरूक और स्वच्छता के प्रति संवेदनशील नागरिक को ही इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए चुना जा सके। नगर निगम का उद्देश्य है कि ऐसे लोग आगे आएं जो समाज में उदाहरण बन सकें और दूसरों को भी स्वच्छता के लिए प्रेरित कर सकें।

**VMD पर दिखाई जाएगी नगर मित्र की तस्वीरः** पटना नगर निगम ने यह भी निर्णय लिया है कि जिस प्रकार पहले नगर शत्रु की तस्वीरें पटना स्मार्ट सिटी द्वारा अधिस्थापित VMD (वेरिएबल मैसेज डिस्प्ले) पर दिखाई जाती थीं। उसी तरह नगर मित्र के चयन के बाद उनकी तस्वीर भी VMD पर दिखाई जाएगी। इससे एक ओर जहां अच्छे कार्य करने वाले नागरिकों को सम्मान और पहचान मिलेगी। वहीं, दूसरी ओर समाज में सकारात्मक संदेश भी जाएगा।

## संक्षिप्त समाचार

### फर्जी लूट कांड का पुलिस ने किया खुलासा, सरपंच समेत तीन गिरफ्तार

**बीएनएम @ बेतिया/मोतिहारी** : जगदीशपुर थाना क्षेत्र में तीन लाख रुपये लूट की सूचना को पुलिस ने फर्जी करार देते हुए मामले का खुलासा कर दिया है। इस कांड में गांव के सरपंच समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है तथा 2 लाख 95 हजार रुपये नकद व एक मोबाइल की बरामदगी की गई है। पुलिस के अनुसार, 20 जनवरी 2026 को सुबह करीब 10 बजे हरसिद्धि थाना क्षेत्र के जगापाकड़ निवासी फुलेना साह जगदीशपुर थाना पहुंचे और आवेदन देकर बताया कि वे गांव के सरपंच शंभु गिरी के साथ मोटरसाइकिल से बेतिया जा रहे थे, इसी दौरान जगदीशपुर में उनसे तीन लाख रुपये और मोबाइल की लूट हो गई। मामले की सूचना पुलिस अधीक्षक, बेतिया को दी गई, जिनके निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-2 के नेतृत्व में जांच टीम गठित की गई। जांच के क्रम में मानवीय व तकनीकी साक्ष्य के आधार पर दिनेश गिरी को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने खुलासा किया कि यह लूट वास्तविक नहीं बल्कि पूर्व नियोजित फर्जी घटना थी। अभियुक्त ने बताया कि सरपंच शंभु गिरी और उसके पुत्र प्रियरंजन गिरी के साथ मिलकर फर्जी लूट की योजना बनाई गई थी। योजना के अनुसार रुपये व मोबाइल लेकर फरार होने और बाद में झूठा मुकदमा दर्ज कराने की बात तय थी। दिनेश गिरी की निशानदेही पर पुलिस ने शंभु गिरी और उसके पुत्र प्रियरंजन गिरी को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के पास से 2 लाख 95 हजार रुपये नकद एवं एक मोबाइल बरामद किया है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

### अपार कार्ड निर्माण में लापरवाही, स्कूलों के वेतन स्थगित

**बीएनएम @ मोतिहारी**। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, प्रा०शि० एवं सर्व शिक्षा अभियान, पूर्वी चम्पारण ने जिले के सभी सरकारी विद्यालयों में अपार कार्ड निर्माण कार्य में लापरवाही पाए जाने के बाद कड़ा निर्देश जारी किया है। अधिकारियों ने चेताया है कि आदेश का पालन नहीं करने वाले विद्यालयों के जनवरी 2026 के वेतन अगले आदेश तक स्थगित कर दिए जाएंगे। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी के पत्रांक 112 दिनांक 10.01.2026 के अनुसार कक्षा 1 से 12वीं तक के सभी विद्यार्थियों का अपार कार्ड 16 जनवरी 2026 तक तैयार करने के निर्देश दिए गए थे। समीक्षा में पाया गया कि जिले भर में अब तक केवल 12,000 विद्यार्थियों का अपार कार्ड बनाने का अनुरोध प्राप्त हुआ है, जबकि शेष छात्रों का कार्य अभी अधूरा है। पत्र में स्पष्ट किया गया है कि प्रधानाध्यापक और स्कूल में कार्यरत सभी शिक्षक इस कार्य के लिए जिम्मेदार हैं। किसी भी तकनीकी कठिनाई या प्रशिक्षण संबंधी समस्या होने पर कम्प्यूटर विज्ञान शिक्षक या आईसीटी कोऑर्डिनेटर से सहयोग लेने का निर्देश भी दिया गया था। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी ने कहा है कि 25 जनवरी 2026 तक सभी ऐसे विद्यार्थियों का अपार कार्ड बनाना अनिवार्य है, जिनके पास आधार कार्ड उपलब्ध है। आदेश का पालन नहीं करने वाले विद्यालयों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

### चिरैया केस में अनुसन्धानकर्ता निलंबित, ज़मानत के लिये आरोपी क़ो समय देने का आरोप

**बीएनएम @ विक्की विजेंदर@ मोतिहारी**। पूर्वी चम्पारण के पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने आज ढाका थाने में जनता दरबार आयोजित कर 15 शिकायतें सुनीं और सभी पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। इस दौरान चिरैया थाने का एक गंभीर मामला सामने आया, जहां धारा हत्या के प्रयास के केस में पीड़ित महिला के सिर में 36 टांके लगे थे। पीड़िता पहले भी एसपी दरबार में पहुंची थी, तब जांच अधिकारी को गिरफ्तारी का आदेश मिला था, लेकिन अनुसन्धान कर्ता ने अनदेखी की—इसके लिए उसका वेतन तक बंद हुआ। आज फिर पीड़िता आई और बोली, "गिरफ्तारी अभी तक नहीं! " एसपी स्वर्ण प्रभात ने इसे गंभीरता से लेते हुए अनुसन्धान कर्ता को तुरंत निलंबित कर दिया।

**एसपी ने स्पष्ट निर्देश दिए:** "धारा 109 (जो पहले 307 हत्या प्रयास था) के मामलों में—मारपीट, सिर फटना, टांके लगना या लोहे, फरसे, तलवार का इस्तेमाल सेम डे गिरफ्तारी अनिवार्य है! " हत्या प्रयास में 24 घंटे में गिरफ्तारी होनी चाहिए, सर्कल इंस्पेक्टर उसी दिन सुपरविजन करें।

**थानाध्यक्ष-** अनुसंधान कर्ता तत्काल कार्रवाई करें, ताकि जनता दर-दर न भटके और पुलिस पर भरोसा बढ़े।

**एसपी आगे बोले,** "अभियुक्तों को फायदा पहुंचाने—बेल का समय देना या वारंट न लेना—ऐसे अनुसन्धान कर्ता पर कड़ी कार्रवाई होगी। अभी अनुसन्धान कर्ता पर एक्शन हुई, आगे लापरवाही पर सर्कल इंस्पेक्टर- थानाध्यक्ष भी एसपी के निशाने पर हैं!"

### नशीली दवा तस्करी का भंडाफोड़, 3 अभियुक्त गिरफ्तार

**बीएनएम @ मोतिहारी**। पूर्वी चंपारण में नशीली पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत झरोखर थाना पुलिस और सीमा सुरक्षा बल (SSB) ने गुरुवार को बड़ी सफलता हासिल की। झरोखर थाना क्षेत्र के बड़ोखर बॉर्डर स्थित सैनिक रोड अठामुहाना के पास वाहन जांच अभियान के दौरान एक टेंपू को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी में टेंपू पर लदे बैगों से 5,915 पीस नशीली दवा के इंजेक्शन बरामद किए गए। ये सभी प्रतिबंधित श्रेणी की दवाएं थीं, जिनका नशे के लिए इस्तेमाल किया जाता है। मौके से नशीली दवा की तस्करी में संलिप्त तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि दवाएं सीमावर्ती क्षेत्र से अवैध रूप से सप्लाई की जा रही थीं। इस संबंध में झरोखर थाना में सुसंगत धाराओं के तहत मामला दर्ज कर अग्रिम विधिसम्मत कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

# नई चीनी मिल की होड़ में हनुमान शुगर मिल की उम्मीदें दम तोड़ेंगी?

**सागर सूरज**

**मोतिहारी**। पूर्वी चम्पारण जिले में 7 निश्चय-3 योजना के तहत गन्ना उत्पादक किसानों के हित, आपूर्ति व्यवस्था मजबूत करने और स्थानीय रोजगार सृजन के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने दूसरी चीनी मिल स्थापित करने की प्रक्रिया तेज कर दी है।

मोतिहारी से कल्याणपुर-चकिया क्षेत्र में उपयुक्त स्थल चयन के लिए अनुमंडल पदाधिकारी सदर, अनुमंडल पदाधिकारी चकिया और जिला भू-अर्जन व गन्ना पदाधिकारी की समिति गठित कर दी गई है।

यह समिति 15 दिनों में विस्तृत प्रतिवेदन जमा करेगी, जिसमें सरकारी भूमि, सीलिंग अधिनियम से मुक्त भूमि या निजी भूमि अधिग्रहण के विकल्प शामिल होंगे।

लेकिन यह कदम पुरानी हनुमान शुगर फैक्ट्री के पुनरुद्धार की सारी उम्मीदों पर पानी फेरने वाला साबित हो रहा है।

हनुमान शुगर मिल, जो वर्षों से बंद पड़ी है, के कर्मचारियों का बकाया वेतन और उसकी हजारों एकड़ जमीन लंबे समय से विवाद का विषय बना हुआ है।

इतना ही नहीं, दो कर्मचारियों ने भुगतान न मिलने के आक्रोश में आत्मदाह तक कर लिया था, जिसकी गूंज जिला प्रशासन तक पहुंची थी।

फिर भी, न तो बकाया भुगतान हुआ और न ही मिल का संचालन बहाल हुआ।

अब नई मिल के कावायद से हनुमान शुगर फैक्ट्री के कर्मचारियों

की सारी लड़ाई व्यर्थ साबित हो जाएगी।

जिला प्रशासन का यह आदेश स्पष्ट करता है कि पूर्व से अवस्थित बीमार निजी चीनी मिलों से इतर एक नयी चीनी मिल खोलने के प्रयास में सरकार लगी है ।

देखें तो यह निर्णय गन्ना किसानों के लिए कितना लाभकारी है, यह कहना मुश्किल है। प्रस्तावित स्थल पर गन्ना उत्पादन क्षमता, किसानों की संख्या, परिवहन सुविधा और मौजूद सुगौली चीनी मिल से दूरी का आकलन का विशेष ध्यान रखा गया है,

लेकिन हनुमान मिल के बंद होने से पहले ही क्षेत्र के हजारों किसान प्रभावित हो चुके हैं। नई मिल से रोजगार सृजन का वादा आकर्षक लगता है, मगर पुरानी मिल के कर्मचारियों—जिनमें स्थानीय मजदूरों की बड़ी संख्या है—का क्या होगा? उनके बकाया वेतन और जमीन विवाद के मामले हमेशा के लिए दफन हो जाएंगे।

समिति को पर्यावरण, सिंचाई, परिवहन और सामाजिक प्रभाव का आकलन करने का निर्देश है, लेकिन स्थानीय जनप्रतिनिधियों और नागरिकों के सुझावों को कितनी गंभीरता से लेंगे यह देखना होगा?

पारदर्शिता का दावा है, परंतु प्रक्रिया में निजी भूमि अधिग्रहण का विकल्प खुला रखना भ्रष्टाचार के द्वार खोल सकता है।

हनुमान शुगर मिल का मामला जिला प्रशासन की उदासीनता का प्रतीक बन चुका है। कर्मचारियों के आत्मदाह के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई न होना प्रशासनिक विफलता एवं जड़ता को उजागर करता है।

नई मिल का प्रस्ताव स्वागत योग्य है, लेकिन पुराने विवादों को अनदेखा कर आगे बढ़ना न्यायोचित नहीं।

क्या जिला प्रशासन हनुमान मिल के कर्मचारियों को न्याय देगा या नई मिल की आड़ में पुराने घावों को भर देगा?

किसान और मजदूरों के हित में पारदर्शी जांच जरूरी है, वरना यह '7 निश्चय' मात्र कागजी साबित होगा।

जिला गन्ना पदाधिकारी को मिल की व्यवहार्यता पर ठोस रिपोर्ट देनी होगी, लेकिन सवाल वही है—पुरानी मिल की जमीन का क्या हो रहा है ?

## विदेशी शराब सहित कारोबारी गिरफ्तार, तीन पियक्कड़ भी धराये

**पकड़ा गया युवक कन्छेदवा निवासी एक राजद नेता का है करीबी**

**बीएनएम @ मोतिहारी**

अरेराज उत्पाद पुलिस ने हरसिद्धि थाना क्षेत्र में गुप्त सूचना के आधार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए एक कारोबारी को गिरफ्तार किया है। थाना अध्यक्ष एवं सह-इंस्पेक्टर अरविंद कुमार के निर्देश पर एएसआई अजित कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस बल ने कन्छेदवा निवासी रोशन कुमार, पुत्र उमेश सिंह, को सोनवल उत्तरपट्टी पुल के पास पकड़ लिया। गिरफ्तारी के दौरान आरोपी के पास से 48 पीस 8 पीएम टेट्रा पैक विदेशी शराब बरामद की गई। पुलिस ने उसकी मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली। पुलिस सूत्रों के अनुसार, पकड़ा गया युवक एक स्थानीय राजद नेता का करीबी भी है। इसी कार्रवाई के दौरान संग्रामपुर जनता चौक के पास गश्ती के दौरान तीन व्यक्तियों को भी शराब पीते हुए पकड़ा गया। सभी गिरफ्तार व्यक्तियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय में पेश किया गया।

## ओवरलोडेड ट्रैक्टर-ट्रॉली पर प्रशासन सख्त, सुगौली चीनी मिल का किया गया निरीक्षण

**बीएनएम @ मोतिहारी**

गन्ना लदे ओवरलोडेड ट्रैक्टर-ट्रॉली के कारण सड़कों पर बढ़ते हादसों की आशंका को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। सड़क सुरक्षा एवं सुगम यातायात व्यवस्था को लेकर ठोस कदम उठाने की दिशा में सदर अनुमंडल पदाधिकारी एवं सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, मोतिहारी ने संयुक्त रूप से सुगौली चीनी मिल एवं उसके आसपास के मार्गों का निरीक्षण किया। बताया गया कि सुगौली चीनी मिल क्षेत्र में ओवरलोडेड ट्रैक्टर-ट्रॉली के परिचालन से दुर्घटना की लगातार शिकायतें जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक को मिल रही थीं। इसे गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी के निर्देश पर निरीक्षण अभियान चलाया गया तथा चीनी मिल प्रबंधन के साथ बैठक कर स्थिति की समीक्षा की गई। इस अवसर पर सदर अनुमंडल पदाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि ओवरलोडेड ट्रैक्टर-ट्रॉली का परिचालन अन्य वाहनों एवं राहगीरों के लिए गंभीर खतरा बना हुआ है। सभी ट्रैक्टर संचालकों को निर्धारित भार क्षमता का सख्ती से पालन करना होगा। उन्होंने निर्देश दिया कि जिन वाहनों में लाइट, रिफ्लेक्टर अथवा अन्य सुरक्षा उपकरण नहीं लगे हैं, उन्हें तत्काल दुरुस्त कराया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। आम लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए विशेष अभियान भी चलाया जाएगा, ताकि इस समस्या का स्थायी समाधान निकल सके। वहीं चीनी मिल प्रबंधन को भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। निरीक्षण अभियान में जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

## एसडीओ ने आदापुर प्रखंड में जनवितरण गोदाम, पीएचसी व पैक्स का किया औचक निरीक्षण

**बीएनएम @ मोतिहारी**

सदर अनुमंडल पदाधिकारी मनीष कुमार द्वारा आदापुर प्रखंड अंतर्गत जनवितरण प्रणाली (पीडीएस) गोदाम, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र आदापुर तथा बैरवा पैक्स एवं भैरव टोला पैक्स का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विभिन्न स्थानों पर कई खामियां पाई गईं, जिस पर संबंधित पदाधिकारियों व कर्मियों से कारण पृच्छा की कार्रवाई की जा रही है। जनवितरण गोदाम के निरीक्षण में गोदाम का फर्श कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त पाया गया, जिससे सीलन के कारण खाद्यान्न के खराब होने की आशंका जताई गई। साथ ही गोदाम के ऊपरी भाग में खिड़की का शीशा टूटा हुआ पाया गया, जिससे वर्षा के समय पानी अंदर आने की संभावना है। इसके अलावा तौल मशीन का प्रमाणपत्र उपलब्ध नहीं पाया गया। हालांकि ऑनलाइन अभिलेख एवं भौतिक भंडार में समानता पाई गई। इन खामियों को लेकर सहायक गोदाम प्रभारी से कारण पृच्छा की गई है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र आदापुर के निरीक्षण के दौरान प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, डॉ. फिरोज तथा डॉ. ओमप्रकाश अनुपस्थित पाए गए। इसके अतिरिक्त कई अन्य कर्मी भी ड्यूटी से अनुपस्थित मिले, जिनसे स्पष्टीकरण मांगा जा रहा है। दवा वितरण कक्ष में भंडार पंजी का संधारण ठीक ढंग से नहीं पाया गया। प्रसव कक्ष में साफ-सफाई का अभाव देखा गया। एंबुलेंस की परिचालन पंजी एवं साफ-सफाई की भी जांच की गई, जहां सफाई की स्थिति असंतोषजनक पाई गई। वहीं पैथोलॉजी जांच कक्ष एवं एक्स-रे मशीन का निरीक्षण संतोषजनक पाया गया। बैरवा पैक्स एवं भैरव टोला पैक्स के निरीक्षण के दौरान पंजी संधारण में लापरवाही तथा आर्द्रता मापने वाली मशीन खराब पाई गई। इस संबंध में दोनों पैक्स अध्यक्षों से कारण पृच्छा की जा रही है। अनुमंडल पदाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को व्यवस्थाओं में शीघ्र सुधार लाने के निर्देश दिए हैं तथा लापरवाही बरतने वालों पर आवश्यक कार्रवाई की बात कही है।

## डॉ. भीम राव अंबेडकर आवासीय विद्यालय, सुगाँव में वार्षिकोत्सव समारोह आयोजित

**बीएनएम @ मोतिहारी**

बुधवार को डॉ. भीम राव अंबेडकर आवासीय विद्यालय, सुगाँव में वार्षिकोत्सव समारोह 2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि निशांत सिहारा, अनुमंडल पदाधिकारी, सदर मोतिहारी ने किया। समारोह में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और प्रतिभा प्रदर्शन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर संतोष कुमार पांडेय, जिला कल्याण पदाधिकारी, पूर्वी चम्पारण, पंकज कुमार, प्रधानाध्यापक, विद्यालय प्रबंधक-सह-प्रखंड कल्याण पदाधिकारी, बीपीएम, जीविका के अधिकारी, शिक्षकगण एवं आवासीय छात्रों के अभिभावक उपस्थित थे। मुख्य अतिथि ने छात्रों की प्रतिभा की सराहना की और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में कला, संस्कृति और शिक्षा के प्रति उत्साह बढ़ाना बताया गया।

## हरसिद्धि में सरस्वती पूजा व गणतंत्र दिवस को लेकर फ्लैग मार्च, पुलिस ने दिया सुरक्षा का संदेश

**बीएनएम @ हरसिद्धि**

सरस्वती पूजा एवं गणतंत्र दिवस के मद्देनज़र विधि-व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त रखने के उद्देश्य से हरसिद्धि थाना पुलिस द्वारा थाना क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों में व्यापक फ्लैग मार्च निकाला गया। इस फ्लैग मार्च का नेतृत्व वीडियो गुलशल कुमार व प्रशिक्षु डीएसपी सह थानाध्यक्ष ऋषभ कुमार ने किया। फ्लैग मार्च हरसिद्धि बाजार से शुरू होकर घिउवाढार, सेवरहा, गोविंदपुर, मटियरिया, जगापाकड़, भादा, ओलहा, पकड़ी चौक, परशुरामपुर चौक, मुरारपुर, गायघाट, उज्जैनलोहियार, जमुनिया चौक होते हुए पकड़िया रोड से पुनः हरसिद्धि बाजार पहुंचा। मार्च के दौरान पुलिस बल ने आम लोगों को शांति, सौहार्द और नियमों का पालन करते हुए त्योहार मनाने की अपील की प्रशिक्षु डीएसपी सह थानाध्यक्ष ऋषभ कुमार ने बताया कि सरस्वती पूजा और गणतंत्र दिवस को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। किसी भी प्रकार की अफवाह, हुड़दंग या कानून व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने पूजा समितियों और स्थानीय लोगों से सहयोग की अपील भी की। फ्लैग मार्च में अपर थाना अध्यक्ष संतोषी कुमारी, एसआई राजेश सिंह, एसआई अविनाश कुमार, एसआई शंभू मालाकार, एसआई प्रीतम कुमार, एसआई रामबाबू यादव सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी, चौकीदार एवं सशस्त्र बल के जवान शामिल रहे। पुलिस की इस सक्रिय पहल से क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भरोसा बढ़ा है।

## राज्यस्तरीय बेस्ट इलेक्टोरल प्रैक्टिसेज अवार्ड से सम्मानित होंगे पूर्वी चंपारण के चार अधिकारी

**बीएनएम @ मोतिहारी**

भारत निर्वाचन आयोग के मार्गदर्शन में बिहार निर्वाचन विभाग द्वारा आयोजित राज्यस्तरीय Best Electoral Practices Awards–2025 के लिए पूर्वी चंपारण जिले के चार अधिकारियों एवं कर्मियों का चयन किया गया है। चयनित अधिकारियों को 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर सम्मानित किया जाएगा। सम्मान समारोह का आयोजन 25 जनवरी 2026 को पूर्वाह्न 10:30 बजे पटना स्थित सिंचाई भवन परिसर के अधिवेशन भवन में किया जाएगा। इस अवसर पर निर्वाचन प्रक्रिया में उत्कृष्ट, नवाचारी एवं प्रभावी कार्य करने वाले अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। पूर्वी चंपारण जिले से चयनित पदाधिकारियों में उप विकास आयुक्त मोतिहारी प्रदीप कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी चकिया शिवानी शुभम, प्रखंड विकास पदाधिकारी संग्रामपुर अनुराग आदित्य तथा ढाका प्रखंड के प्राथमिक विद्यालय बरेवा के प्राचार्य मुकेश कुमार (सह बीएलओ) शामिल हैं। इन अधिकारियों एवं कर्मियों को निर्वाचन कार्यों में उत्कृष्ट प्रदर्शन, प्रभावी प्रबंधन, मतदाता जागरूकता अभियान तथा मतदाता सहभागिता बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान के लिए चयनित किया गया है। जिला प्रशासन के अनुसार, इन सभी ने अपने-अपने कार्यक्षेत्र में नवाचार के माध्यम से निर्वाचन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और सुदृढ़ बनाने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। जिला प्रशासन, पूर्वी चंपारण के लिए यह सम्मान गौरव का विषय बताया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि यह उपलब्धि जिले में निष्पक्ष एवं पारदर्शी निर्वाचन व्यवस्था को सशक्त करने के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों को दर्शाती है। प्रशासन को उम्मीद है कि यह सम्मान अन्य अधिकारियों एवं कर्मियों को भी निर्वाचन कार्यों में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगा।

## संक्षिप्त समाचार

### निःशुल्क चिकित्सा शिविर में उमड़ी ग्रामीणों की भीड़

**बीएनएम @ बगहाः** सशस्त्र सीमा बल (SSB) की 65वीं वाहिनी द्वारा बेतिया में भव्य 'वंदे मातरम' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कमांडेंट नंदन सिंह मेहरा के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम के तहत मटियरिया गांव में निःशुल्क मानव एवं पशु चिकित्सा शिविर लगाए गए, जहाँ स्थानीय ग्रामीणों और पशुपालकों को जांच के उपरांत दवाएं वितरित की गईं।युवाओं को खेल के प्रति प्रोत्साहित करने हेतु आयोजित फुटबॉल मैच में बनकटवा टीम विजेता रही, जिन्हें द्वितीय कमान अधिकारी कोजा राम लोमरोर ने ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर डॉ. रिचा, डॉ. पंकज और जिला परिषद सदस्य पूनम कुमारी सहित कई गणमान्य व्यक्ति व ग्रामीण उपस्थित रहे।

### 23 फरवरी से 20 मार्च तक चलेगा मिशन परिवार विकास अभियानः मंगल पांडेय

**बीएनएम @ पटना।** बिहार में जनसंख्या नियंत्रण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए स्वास्थ्य विभाग ने 23 फरवरी से 20 मार्च 2026 तक 'मिशन परिवार विकास अभियान' चलाने का निर्णय लिया है। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय के अनुसार, यह अभियान दो चरणों में चलेगाः पहला चरण दम्पत्ति संपर्क अभियान (23 फरवरी - 5 मार्च) और दूसरा चरण परिवार नियोजन सेवा पखवाड़ा (6 मार्च - 20 मार्च) के रूप में आयोजित होगा।इस अभियान का प्राथमिक उद्देश्य आम नागरिकों में जागरूकता पैदा करना और योग्य दम्पत्तियों को उनकी इच्छा के अनुरूप परिवार नियोजन की सेवाएं उपलब्ध कराना है। इसके सफल क्रियान्वयन के लिए आशा कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी सेविका, जीविका दीदी और विकास मित्र जैसे जमीनी कर्मियों को सक्रिय किया जाएगा। विशेष रूप से, 1 मार्च से 8 मार्च तक ई-रिक्शा के जरिए प्रत्येक प्रखंड में प्रचार-प्रसार किया जाएगा, साथ ही सास-बहू-बेटी सम्मेलन जैसे नवाचारी आयोजनों के माध्यम से संवाद स्थापित किया जाएगा।स्वास्थ्य मंत्री ने स्पष्ट किया कि नसबंदी या बंध्याकरण सेवा लेने वाले लाभार्थियों को सरकारी एम्बुलेंस से निशुल्क घर पहुँचाने की सुविधा मिलेगी। प्रत्येक कैंप में न्यूनतम 15 और अधिकतम 30 लाभार्थियों को सेवाएं दी जाएंगी। मुफ्त औषधि वाहनों के जरिए स्वास्थ्य उपकेंद्रों तक आवश्यक सामग्री की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी, जिससे परिवार नियोजन सेवाएं अधिक सुरक्षित और सुलभ बन सकें।

### रामलला प्राण-प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ पर गरीबों को बांटे कंबल

**बीएनएम @ गया जीः** अयोध्या में श्री रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भाजपा नेता डॉ. मनीष पंकज मिश्रा, प्रदेश कार्य समिति सदस्य राजेंद्र प्रसाद अधिवक्ता और संतोष ठाकुर ने गया जी स्थित मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की। इस ऐतिहासिक अवसर को सेवा और श्रद्धा के साथ मनाते हुए उन्होंने गरीब व असहाय लोगों के बीच कंबल का वितरण भी किया। डॉ. मनीष पंकज मिश्रा ने कहा कि रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि भारत की सनातन संस्कृति और राष्ट्रीय स्वाभिमान का प्रतीक है। उन्होंने इस सफलता का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को देते हुए कहा कि सदियों की प्रतीक्षा के बाद यह सपना साकार हुआ है। डॉ. मिश्रा ने भगवान विष्णु और प्रभु श्रीराम से देश की सुख, शांति और अखंडता की कामना की। उन्होंने जोर दिया कि भगवान राम के सत्य, मर्यादा और सेवा के आदर्श ही समाज और राजनीति के असली मार्गदर्शक हैं।

### प्रज्ञा शक्ति कार्यक्रम के तहत 370 शिक्षकों का प्रशिक्षण संपन्न

**बीएनएम @ वजीरगंज ( गया जी):**<वजीरगंज प्रखंड के मध्य विद्यालय में जिला पदाधिकारी और प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी रेणु कुमारी के निर्देशन में आयोजित 'प्रज्ञा शक्ति कार्यक्रम' का दो दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण गुरुवार को संपन्न हुआ। समावेशी संसाधन शिक्षक सुरेन्द्र प्रसाद ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की पहचान कर उन्हें गुणवत्तापूर्ण विशेष शिक्षा प्रदान करना है। इसके तहत प्रखंड के सभी 185 प्रारंभिक एवं माध्यमिक विद्यालयों से चयनित कुल 370 शिक्षकों को मास्टर ट्रेनरों द्वारा प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को बच्चों को चिन्हित कर उनका विवरण मोबाइल ऐप पर अपलोड करने का निर्देश दिया गया। जिला प्रशासन के अनुसार, यह कार्य 26 जनवरी तक पूर्ण करना अनिवार्य है ताकि कार्यक्रम के अगले चरण की शुरुआत हो सके। इस अवसर पर शंभू शरण सिंह, ज्योत्सना शाही और दीपक सिन्हा सहित कई शिक्षक उपस्थित रहे।

### पॉक्सो एक्ट में एक गिरफ्तार

**बीएनएम @ गया जीः** जिले की आंती थाने की पुलिस ने पॉक्सो एक्ट में एक नाबालिग को गिरफ्तार किया है। थाना कांड संख्या 7/26 में यह गिरफ्तार की गई है। इस मामले में बीते दिनों थाने में मामला दर्ज कराया गया था।

### केंद्रीय मंत्री ने निधन पर जताया शोक

**बीएनएम @ गया जीः** केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने गुरुवार को बोधगया प्रखण्ड के शहदेवखाप निवासी समाजसेवी पप्पू खान की पत्नी के असामयिक निधन पर उनके घर जाकर शोक जताया। वे बाराचट्टी प्रखण्ड के तेतरिया निवासी विजय प्रसाद की पत्नी सुषमा देवी एवं स्व. नारायण प्रसाद की पत्नी सोना देवी की सड़क दुर्घटना में आकस्मिक मृत्यु पर शोकाकुल परिवारों से मिलकर उन्हें सांत्वना दिया तथा मृतक आत्मा की शांति की प्रार्थना की।

# विराट रामायण मंदिर में सहस्त्रलिंगम शिवलिंग को शीशे के आवरण में किया गया संरक्षित

» श्रद्धालुगण बाहर से ही महादेव के दर्शन कर सकते है, नही होगी बाधा, स्पष्ट दिखेंगे महादेव

**बीएनएम @ डुमरियाघाट**

विश्व के सबसे बड़े विराट रामायण मंदिर, कैथवलिया में 17 जनवरी को हुए ऐतिहासिक सहस्त्रलिंगम शिवलिंग के अधिष्ठापन के बाद अब महादेव की दिव्य संरचना को दीर्घकालीन संरक्षण प्रदान करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। मंदिर निर्माण एजेंसी ने गुरुवार को शिवलिंग को विशेष ग्लास (शीशे) से बने मजबूत स्ट्रक्चर से पूरी तरह ढक दिया, ताकि यह धूल, मिट्टी, प्रदूषण और मौसम के प्रभाव से सुरक्षित रह सके। अधिष्ठापन के तुरंत बाद ही मंदिर निर्माण कंपनी इस बात को लेकर चिंतित थी कि आने वाले वर्षों में जब तक मंदिर का निर्माण कार्य पूरा होगा, तब तक खुले वातावरण में रहने से शिवलिंग की दिव्यता और शिल्पकारी को नुकसान न पहुंचे। गौरतलब है कि मंदिर निर्माण में अभी करीब पांच वर्ष का समय लगना है। ऐसे में सहस्त्रलिंगम शिवलिंग को बिना सुरक्षा के खुले में रखना उचित नहीं माना गया।

यह शिवलिंग अपने आप में अद्वितीय है, क्योंकि इसमें 1008 छोटे-छोटे शिवलिंगों की आकृतियां अत्यंत सूक्ष्म और बारीक शिल्पकारी के साथ उकेरी गई हैं। यदि लंबे समय तक धूप, बारिश और धूल-मिट्टी का प्रभाव पड़ता, तो इन आकृतियों पर गंदगी की मोटी परत जम जाती और शिल्प की मौलिकता प्रभावित हो सकती थी। इसी को ध्यान में रखते हुए शिवलिंग निर्माता शिल्पकारों के सुझाव पर तथा न्यास बोर्ड की अनुमति से शीशे के विशेष आवरण का निर्माण कराया गया। अब शिवलिंग पूरी तरह से कवर हो चुका है, जिससे न केवल इसकी संरचना सुरक्षित रहेगी, बल्कि श्रद्धालु भी बाहर से ही महादेव के दिव्य दर्शन कर सकेंगे। न्यास बोर्ड से जुड़े आचार्य किशोर कुणाल के पुत्र एवं बोर्ड सदस्य सचिन सायन कुणाल ने बताया कि आने वाले दो वर्षों के भीतर यहां भव्य और विशाल आकार के नंदी महाराज की स्थापना की जाएगी। इसके लिए रूपरेखा और डिजाइन पर कार्य शुरू कर दिया गया है। वहीं, विराट रामायण मंदिर के संपूर्ण निर्माण कार्य को वर्ष 2030 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। श्रद्धालुओं के लिए यह दृश्य भावनात्मक और आध्यात्मिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण है, जहां महादेव अपनी दिव्य उपस्थिति के साथ सुरक्षित विराजमान हैं और आने वाले वर्षों में यह स्थल आस्था, संस्कृति और सनातन परंपरा का विश्वस्तरीय केंद्र बनने की ओर अग्रसर है।

## वीरगंज में रेलवे संग्रहालय की तैयारी, जनकपुर से ऐतिहासिक रेल लाने को लेकर स्थल निरीक्षण

**बीएनएम @ रक्सौल/वीरगंज**

नेपाल के वीरगंज महानगर में रेलवे की ऐतिहासिक धरोहर को संरक्षित करने और पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। बीरगंज स्थित बीपी उत्थान के सामने मौजूद रेलवे भूमि पर जनकपुर से पुरानी रेल लाकर रेलवे संग्रहालय स्थापित करने के उद्देश्य से सोमवार को स्थल निरीक्षण किया गया। इस योजना के तहत ऐतिहासिक महत्व की रेलवे इंजन और कोच को जनकपुर से वीरगंज लाकर प्रदर्शित किया जाएगा, जिससे रेलवे के गौरवशाली इतिहास को सहेजने के साथ-साथ शहर को एक नया पर्यटन केंद्र विकसित किया जा सके। स्थल निरीक्षण के दौरान प्रस्तावित स्थान की वर्तमान स्थिति, उपलब्ध भूमि, बुनियादी ढांचे की संभावनाओं तथा संग्रहालय निर्माण के लिए आवश्यक प्रक्रियाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। निरीक्षण कार्यक्रम में वीरगंज महानगरपालिका के नगर प्रमुख मेयर राजेशमान सिंह, महानगर के हरियाली संयोजक एवं सामुदायिक पुलिस आदर्शनगर के अध्यक्ष प्रकाश खेतान, स्वच्छता अभियंता शिव गुप्ता सहित कई अन्य प्रतिनिधियों की सक्रिय सहभागिता रही। सभी ने जनकपुर से ऐतिहासिक रेल को शीघ्र लाकर संग्रहालय स्थापना की प्रक्रिया तेज करने पर जोर दिया। इस अवसर पर मेयर राजेशमान सिंह ने कहा कि रेलवे संग्रहालय की स्थापना से वीरगंज की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान और अधिक सशक्त होगी। उन्होंने कहा कि यह परियोजना न केवल पर्यटन को बढ़ावा देगी, बल्कि नई पीढ़ी को रेलवे के इतिहास और उसकी भूमिका को समझने का अवसर भी प्रदान करेगी। यह योजना महानगर की दीर्घकालीन सांस्कृतिक एवं पर्यटन विकास नीति के अनुरूप है। निरीक्षण दल ने आवश्यक समन्वय, तकनीकी प्रक्रिया और प्रशासनिक औपचारिकताएं पूरी कर जल्द से जल्द जनकपुर से रेल लाने तथा संग्रहालय निर्माण कार्य शुरू करने की प्रतिबद्धता जताई। उम्मीद की जा रही है कि प्रस्तावित रेलवे संग्रहालय भविष्य में वीरगंज का एक प्रमुख आकर्षण बनेगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती देगा।

## वसंत पंचमी पर श्रद्धालुओं की भीड़ को लेकर अरेराज नगर पंचायत अलर्ट, व्यापक स्तर पर चल रहा स्वच्छता व सुविधा अभियान

**बीएनएम @ अरेराज**

वसंत पंचमी के पावन अवसर पर बाबा सोमेश्वर नाथ महादेव की नगरी अरेराज में उमड़ने वाली श्रद्धालुओं और कांवरियों की भारी भीड़ को देखते हुए नगर पंचायत प्रशासन पूरी तरह एक्शन मोड में आ गया है। जलाभिषेक के लिए आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नगर क्षेत्र में व्यापक स्तर पर साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था और शुद्ध पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी निखिल कुमार और स्वच्छता पदाधिकारी निश्चल कुमार के नेतृत्व में प्रशासनिक अमला लगातार तैयारियों में जुटा हुआ है। नगर पंचायत कार्यालय के सभी कर्मचारी, एनजीओ प्रबंधक विशाल कुमार, सफाई जमादार तथा सफाई कर्मी दिन-रात अभियान में लगे हुए हैं, ताकि श्रद्धालुओं को स्वच्छ, सुरक्षित और व्यवस्थित वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। विशेष स्वच्छता अभियान मठ परिसर, फुलवारी, अस्पताल परिसर, महाविद्यालय एवं विद्यालय परिसर, प्रखंड कार्यालय सहित सभी प्रमुख पड़ाव स्थलों और श्रद्धालु मार्गों पर चलाया जा रहा है। नियमित रूप से कूड़ा-कचरा उठाव, नालियों की सफाई और सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता सुनिश्चित की जा रही है, ताकि मेले के दौरान किसी प्रकार की गंदगी या अव्यवस्था न उत्पन्न हो। इसके साथ ही नगर क्षेत्र में स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत, अतिरिक्त प्रकाश व्यवस्था और पेयजल आपूर्ति को दुरुस्त किया जा रहा है। भीड़भाड़ वाले इलाकों में विशेष निगरानी रखी जा रही है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की परेशानी न हो। स्वच्छता अभियान के ब्रांड एंबेसडर विजय अमित ने बताया कि नगर पंचायत प्रशासन पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहा है। उन्होंने कहा कि बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। साथ ही स्थानीय नागरिकों का भी भरपूर सहयोग मिल रहा है, जिससे व्यवस्थाएं और अधिक सुदृढ़ हो रही हैं। नगर पंचायत प्रशासन ने आम लोगों से अपील की है कि वे स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें और धार्मिक सौहार्द के साथ वसंत पंचमी पर्व को सफल बनाएं।

# बड़ी ढीठ है सरोतर झील का शिकारी, खाकी पर पड़ रहे है भारी

» शिकारियों का एक बड़ा रैकेट मछली पालन की आड़ में सरोतर झील में करता है शिकारकाही
» पुलिस और वन विभाग द्वारा व्यापक पैमाने पर बड़ी कारवाई की जरूरत
» खुल्लेआम मुंहमांगे दामों पर बेचे जाते है विदेशी पक्षी, सरोतर, सेंभुआपुर, पुरैना, बनपरुआ, धनगढ़हां आदि जगहों पर व्यापक पैमाने की जाती है निरीह पक्षियों की बिक्री,

**बीएनएम@डुमरियाघाट @ अमित कुमार सिंह**

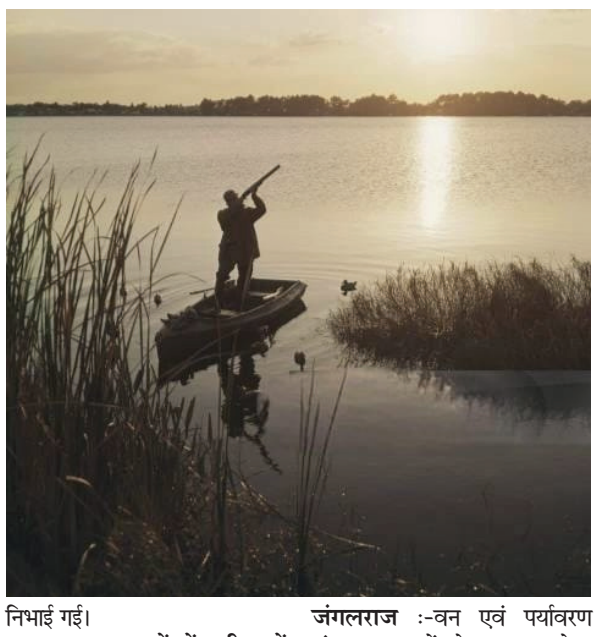

जिले के केसरिया प्रखंड स्थित सरोतर झील, जो कभी प्रवासी पक्षियों की चहचहाहट और जैव विविधता के लिए जानी जाती थी, आज बेखौफ शिकारियों की मनमानी का शिकार बनती जा रही है। हैरानी की बात यह है कि यह है कि सब कुछ खुलेआम हो रहा है, लेकिन जिम्मेदार महकमे खासकर खाकी की मौजूदगी के बावजूद शिकारी कानून पर भारी नजर आ रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि झील क्षेत्र में प्रतिबंध के बावजूद धड़ल्ले से विदेशी पक्षियों का अवैध शिकार जारी है। सुबह-शाम और देर रात झील में जाल बिछाए जाते हैं, पटाखा बजाकर पक्षियों को उड़ाया जाता है। आवाज आती है और संरक्षित पक्षियों का बेरहमी से शिकार किया जाता है। कई बार ग्रामीणों ने इसकी सूचना वन विभाग, प्रशासन और पुलिस को दी, लेकिन कार्रवाई के नाम पर सिर्फ औपचारिकता निभाई गई।

**कानून कागजों में, झील में जंगलराज** :-वन एवं पर्यावरण संरक्षण कानूनों के तहत सरोतर झील जैसे जलाशयों में शिकार पूरी तरह प्रतिबंधित है। बावजूद इसके, शिकारी इतने ढीठ हो चुके हैं कि उन्हें न कानून का डर है और न ही खाकी का। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब समाचार पत्रों में खबर छापती है तो कभी-कभार गश्ती जरूर होती है, लेकिन शिकारी पहले से सतर्क रहते हैं और कार्रवाई से पहले ही गायब हो जाते हैं या झील के अंदर नाव के सहारे गहरे पानी में चले जाते है।

**वन विभाग और प्रशासन की चुप्पी पर उठे सवाल** :-ग्रामीणों और पर्यावरण प्रेमियों में इस बात को लेकर भारी आक्रोश है कि आखिर इतने खुले तौर पर शिकार कैसे हो रहा है। क्या यह लापरवाही है या मिलीभगत, सवाल यह भी है कि जिन खाकीधारियों पर कानून लागू कराने की जिम्मेदारी है, उनकी मौजूदगी में शिकारी कैसे बेखौफ हैं।

**पर्यावरण को हो रहा अपूरणीय नुकसान** :-विशेषज्ञों के अनुसार, सरोतर झील का पारिस्थितिक संतुलन बिगड़ने की कगार पर है। अवैध शिकार से न सिर्फ पक्षियों की संख्या घट रही है, बल्कि जलीय जीव-जंतुओं और प्राकृतिक चक्र पर भी गहरा असर पड़ रहा है। यदि समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाली पीढ़ियां सरोतर झील को सिर्फ किस्सों में ही जानेंगी।

**स्थानीय लोगों की मांग** :-ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि झील क्षेत्र में स्थायी पुलिस व वन विभाग की गश्ती तैनात की जाए। अवैध शिकारियों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई हो। झील को संरक्षित क्षेत्र घोषित कर निगरानी बढ़ाई जाए। अब सवाल यह है कि क्या सरोतर झील को बचाने के लिए प्रशासन नींद से जागेगा, या फिर ढीठ शिकारी यूं ही खाकी पर भारी पड़ते रहेंगे।

## सरस्वती पूजा को लेकर सुगौली थाना में शांति समिति की बैठक संपन्न, डीजे व ऑर्केस्ट्रा पर पूर्ण प्रतिबंध

**बीएनएम @ सुगौली**

सरस्वती पूजा को शांति, सौहार्द और विधि-व्यवस्था के साथ संपन्न कराने को लेकर सोमवार को सुगौली थाना परिसर में शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में प्रशासनिक पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, पूजा समिति के सदस्य, व्यवसायी तथा स्थानीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। बैठक के दौरान पुलिस प्रशासन ने उपस्थित लोगों से सरस्वती पूजा को शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने में सहयोग की अपील की। साथ ही पूजा आयोजन को लेकर जारी प्रशासनिक दिशा-निर्देशों की विस्तृत जानकारी दी गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि पूजा के दौरान किसी भी प्रकार की अराजकता, हुड़दंग या कानून-व्यवस्था भंग करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट रूप से निर्देश जारी करते हुए कहा कि सरस्वती पूजा के अवसर पर डीजे, ऑर्केस्ट्रा एवं किसी भी प्रकार के तेज ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। बिना लाइसेंस के प्रतिमा की स्थापना एवं विसर्जन जुलूस निकालने की अनुमति नहीं होगी। सभी पूजा समितियों को प्रशासन द्वारा निर्धारित नियमों और शर्तों का अनिवार्य रूप से पालन करना होगा। अधिकारियों ने कहा कि पूजा समितियां समय से अनुमति प्राप्त करें और विसर्जन निर्धारित मार्ग व समय के अनुसार ही किया जाए। सोशल मीडिया पर भी निगरानी रखी जाएगी और किसी भी प्रकार की भ्रामक या आपत्तिजनक पोस्ट पर कार्रवाई की जाएगी। बैठक में अंचलाधिकारी कुंदन कुमार, इंस्पेक्टर संजीव कुमार, थानाध्यक्ष अनीश कुमार सिंह, भाजपा नेता विकास कुमार शर्मा, सुगौली व्यवसायिक संघ के अध्यक्ष अशोक कुमार गुप्ता, नुरुल होदा कुरैशी सहित कई गणमान्य व्यक्ति एवं पूजा समिति के प्रतिनिधि मौजूद थे। प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की कि वे आपसी भाईचारे और सद्भाव के साथ पर्व मनाएं तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि सरस्वती पूजा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके।

# हाईटेक युग में खपरैल पुलिसिंग, डुमरियाघाट की बदहाली का दर्द

» जिले की सुरक्षा की अंतिम चौकी बदहाल, खपरैल में रहने को मजबूर डुमरियाघाट पुलिसकर्मी
» सिस्टम की विडंबनाः जनता की सुरक्षा करने वाले खुद असुरक्षित
» कुव्यवस्था या अनदेखी, डुमरियाघाट थाना में पुलिस कर्मियों के लिए छत भी नसीब नहीं

**बीएनएम@डुमरियाघाट @ अमित कुमार सिंह**

जिले की निगरानी और सुरक्षा की दृष्टि से अंतिम सीमा पर अवस्थित अतिमहत्वपूर्ण डुमरियाघाट थाना आज खुद बदहाली का शिकार है। वर्षों से यहां के पुलिस अधिकारी और जवान टूटी-फूटी खपरैल इमारतों में रहने को मजबूर हैं। एक ओर जहां जिले के पुलिस कप्तान स्वर्ण प्रभात पुलिस व्यवस्था को अत्याधुनिक संसाधनों से लैस करने में जुटे हैं, वहीं दूसरी ओर डुमरियाघाट थाना के पुलिस कर्मियों को सिर छुपाने के लिए भी सुरक्षित छत नसीब नहीं है। थाना परिसर में कार्यालय के नाम पर मात्र एक पक्का छतदार भवन है, वह भी केवल चार कमरों का। इसी में थानाध्यक्ष कक्ष, सीरिस्ता, मालखाना, हाजत और एक गार्ड रूम संचालित होता है। इसके अतिरिक्त पुलिस कर्मियों के रहने के लिए कोई समुचित व्यवस्था नहीं है। डुमरियाघाट थाना में थानाध्यक्ष समेत करीब एक दर्जन अधिकारी, लगभग पांच दर्जन सशस्त्र बल और एक दर्जन चौकीदार तैनात हैं, जिनमें एक दर्जन महिला पुलिसकर्मी एवं अधिकारी शामिल हैं। बावजूद इसके, किसी के लिए भी सरकारी आवास की सुविधा उपलब्ध नहीं है। अधिकांश अधिकारी और जवान रामपुर खजुरिया बाजार तथा आसपास के इलाकों में किराए के कमरों में रहने को विवश हैं। स्थिति यह है कि कुछ गृह रक्षक बल के जवान पुराने थाना परिसर में स्थित जर्जर और ध्वस्त हो रहे खपरैल मकानों में किसी तरह जीवन यापन कर रहे हैं। इन भवनों की हालत इतनी खस्ताहाल है कि मानो वह मवेशियों का अस्तबल, तबेला या बाड़ा हो। मजबूरी में जवान प्लास्टिक और तिरपाल तानकर रहने को मजबूर हैं। हर समय सांप-बिच्छू निकलने का खतरा बना रहता है, वहीं बरसात के मौसम में हालात और भी भयावह हो जाते हैं। वही इस जर्जर भवन में सुरक्षा के लिए मिले शस्त्र की सुरक्षा रखना भी पुलिस कर्मियों के लिए एक चुनौती है सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब आम जनता की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने वाले पुलिसकर्मी ही असुरक्षित हालात में रहेंगे, तो वे पूरी मुस्तैदी से अपनी ड्यूटी कैसे निभा पाएंगे। जब अधिकतर पुलिसकर्मी अलग-अलग स्थानों पर किराए के मकानों में रहते हैं, तो आपात स्थिति में सभी का एक साथ तैयार होकर ड्यूटी पर पहुंचना भी चुनौती बन जाता है। थाना भवन और आवासीय सुविधा के अभाव का खामियाजा आम जनता को भी भुगतना पड़ रहा है। केस संबंधी कार्यों के लिए लोगों को थाना परिसर के बजाय अधिकारियों के अलग-अलग किराए के कमरों का चक्कर लगाना पड़ता है, जिससे समय, श्रम और संसाधनों की बर्बादी हो रही है। स्थानीय लोगों और प्रबुद्ध नागरिकों ने जिला पुलिस कप्तान से मांग की है कि डुमरियाघाट थाना परिसर में भूमि अधिग्रहण कर शीघ्र एक बड़े, आधुनिक और हाईटेक थाना भवन का निर्माण कराया जाए। इससे न केवल पुलिस कर्मियों को सुरक्षित और सम्मानजनक आवास मिलेगा, बल्कि क्षेत्र में पुलिसिंग व्यवस्था भी सुदृढ़ होगी और आम जनता को भी बड़ी राहत मिल सकेगी। अब देखना यह है कि जिले की सुरक्षा की अंतिम चौकी की इस पीड़ा पर सिस्टम कब तक अपनी आंख मूंदे रहता है।

# विश्वास का संकट पैदा

पीएसएलवी के जरिए भारत ने उपग्रहों को धरती की कक्षा में स्थापित करने के कारोबार में अग्रणी देश बनने की महत्त्वाकांक्षा पाली है। मगर लगातार दो नाकामियों के बाद इस परियोजना को लेकर विश्वास का संकट पैदा हो गया है।

पीएसएलवी रॉकेट की 62वीं उड़ान की नाकामी से भारत की उपग्रह संबंधी महत्त्वाकांक्षा को गहरा झटका लगा है। ये चोट इसलिए अधिक गंभीर है, क्योंकि पिछले साल मई में पीएसएलवी की 61वीं उड़ान भी फेल हो गई थी। सोमवार को पीएसएलवी-सी62 एक साथ 16 उपग्रहों को लेकर उड़ा, लेकिन उड़ान के तीसरे चरण में उससे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का संपर्क टूट गया। वे उपग्रह कहां गए, सोमवार को यह भी पता नहीं चल सका था। पीएसएलवी-सी61-ईओएस-09 के साथ भी ठीक यही हुआ था। यानी इसरो के वैज्ञानिक सात महीनों के दौरान उस खामी से निजात नहीं पा सके, जिस कारण बीते मई में उनका मिशन विफल हुआ। उस नाकामी की जांच के लिए समिति बनी थी, जिसकी रिपोर्ट प्रधानमंत्री कार्यालय को भेजी गई, जहां उसे गोपनीय श्रेणी में डाल कर रखा गया है। यानी जिन करदाताओं के पैसे से इसरो चलता है, उन्हें इस सूचना से वंचित रखा गया है कि उनका पैसा क्यों बर्बाद हुआ। अब फिर वैसा ही हादसा ज्यादा बड़े पैमाने पर हुआ है। पीएसएलवी के जरिए भारत ने उपग्रहों को धरती की कक्षा में स्थापित करने के कारोबार में अग्रणी देश बनने की महत्त्वाकांक्षा पाली है। मगर अब आशंका है कि लगातार दो नाकामियों के बाद इस रॉकेट लॉन्च के लिए बीमा की रकम बढ़ जाएगी और जो देश या कंपनियां इसके जरिए अपने उपग्रह भेजना चाहेंगी, उनके लिए इसरो को ठेका देना बेहद महंगा हो जाएगा। विश्वास का जो संकट पैदा हुआ है, वह इसके अलग है। इस विकट स्थिति से निकलने का उचित तरीका यही होगा कि भारत सरकार और इसरो पूरी पारदर्शिता बरतें। वे दोनों नाकामियों के बारे में सभी हित-धारकों को भरोसे में लें। नाकामियों के लिए जवाबदेही तय करना भी जरूरी है। आखिर बिना पुरानी खामी को दूर किए अगले लॉन्च को कैसे हरी झंडी दी गई और किस स्तर पर ये फैसला हुआ, यह देश को मालूम होना चाहिए।

# आबादी के बोझ से दबी दिल्ली

**मनोज कुमार मिश्र**

दिल्ली में बढ़ रही बेहिसाब आबादी से केवल मकान और रोजगार का संकट ही नहीं बढ़ रहा है बल्कि इसका असर बिजली-पानी की आपूर्ति से लेकर प्रदूषण बढ़ाने पर हो रहा है। दिल्ली का क्षेत्रफल 1915 से आज तक 1483 वर्ग किलोमीटर ही है लेकिन आबादी 2 लाख 38 हजार से बढ़कर करीब तीन करोड़ हो गई। इतना ही नहीं, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) की कुल आबादी चार करोड़ से ज्यादा हो गई है। दिल्ली की सीमा बढ़ने की कोई संभावना नहीं दिख रही है। ऐसे में दिल्ली से आबादी का दबाव कम करने और हर साल बाहर से आकर दिल्ली में बसने वाली औसतन पांच लाख की अतिरिक्त आबादी को दिल्ली में आने से रोकने के लिए दिल्ली जैसी सुविधा दिल्ली के बाहर उपलब्ध कराना सरकारों के लिए बड़ी चुनौती है। ऐसा न होने पर दिल्ली में मूलभूत सुविधाओं का संकट बढ़ता जाएगा, प्रदूषण की समस्या और बड़ी और स्थाई होती जाएगी।आबादी के दबाव से अनधिकृत कालोनी बढ़ती जाएगी और यमुना कभी भी साफ नहीं हो पाएगी। राजनीतिक इच्छाशक्ति के अभाव और वोट की राजनीति में पिछड़ने के भय से पहले की सरकारों ने दिल्ली पर आबादी के बोझ को कम करने के फैसले लिए लेकिन उस पर अमल नहीं हो पाया। सत्तर के दशक में करीब पचास बड़े सरकारी दफ्तर दिल्ली से बाहर ले जाने का फैसला हुआ। एक को उसमें से गए ही गिनती के, जो गए भी उनके मुख्य दफ्तर से ज्यादा उनकी दिल्ली शाखा का दफ्तर बड़ा होता गया। उसी तरह 1985 में एनसीआर योजना बोर्ड बनी। उसे 1988 से लागू करना शुरू किया गया। बोर्ड के पास कार्रवाई का ठोस अधिकार न होने से वह काम शुरू करने से पहले ही विफल हो गया। यह बात बोर्ड के सदस्य सचिव रहे वरिष्ठ आईएएस अधिकारी ओमेश सहगल ने सदस्य सचिव रहते 1996 में भी कही जो बाद में दिल्ली के मुख्य सचिव भी रहे। उनका कहना था कि साल 1971-72 में केन्द्र सरकार ने सरकारी और अर्ध सरकारी करीब 50 संस्थानों के दफ्तर दिल्ली से बाहर भेजना तय किया। ओएनजीसी की मुख्यालय देहरादून, कोल इंडिया लिमिटेड का कोलकाता, भारत पेट्रोलियम, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम और भारतीय स्टेट बैंक आदि के मुख्यालय मुंबई इत्यादि बाहर गए तो लेकिन न जाने वालों की संख्या ज्यादा रही। जो गए भी उनके क्षेत्रीय दफ्तर मुख्यालय से ज्यादा बड़े हो गए। उसके कर्मचारी और संबंधित लोग दिल्ली में रह गए। सालों पहले अदालत ने साफ तौर पर दिल्ली में उद्योग लगाने पर पाबंदी लगाई। माना गया कि केवल सेवा क्षेत्र के काम-स्कूल, अस्पताल, होटल इत्यादि ही दिल्ली में लगेंगे। वास्तव में ऐसा हुआ नहीं। जब एनसीआर योजना बनी तब दिल्ली में और पड़ोस के राज्यों में कांग्रेस की सरकारें थीं। बावजूद योजना ठीक से लागू नहीं हो पाई। ओमेश सहगल इसका एक बड़ा कारण मानते हैं कि बोर्ड के पास कोई ठोस अधिकार है ही नहीं। वह किसी को सजा दे ही नहीं सकती। इसलिए योजना कागजों पर ही रही और बेहिसाब तरीके से आबादी बढ़ती गई। इतना ही नहीं कोई राज्य सरकार दिल्ली के उपयोग के लिए अपनी जमीन देना तो दूर अपने राज्य सरकार के अधिकारों में कोई हस्तक्षेप नहीं करने देती। सबसे बड़ी समस्या तो यह है कि पूरे एनसीआर ही नहीं पड़ोसी शहरों के लोग नागरिक सुविधाओं के लिए दिल्ली आने पर मजबूर हैं। हवाई अड्डा (अब जेवर में शुरू होने वाला है), बड़े रेलवे स्टेशन, बड़े अस्पताल, बढ़िया स्कूल-कालेज के लिए तो लोगों को दिल्ली ही आना पड़ रहा है। लोग आएंगे तो गाड़ियां आएंगी। उससे प्रदूषण बढ़ेगा। इसलिए बिना ठोस योजना और राजनीतिक इच्छा शक्ति के दिल्ली पर से आबादी का बोझ कम ही नहीं हो सकता। वे कहते हैं कि दो बार दिल्ली की अनधिकृत कालोनियों को नियमित किया गया। जब वे मुख्य सचिव थे तब पता नहीं कैसे एरियल सर्वे में एक भी अनधिकृत कालोनी नहीं दिखी और आज यह संख्या तीन हजार पार कर गई। सवाल है कि यह सारी कालोनियां या दिल्ली के हर इलाके में अनधिकृत निर्माण कैसे और किसने किए, इस पर ठोस कारवाई हुए बिना दिल्ली को बचाया नहीं जा सकता है। दिल्ली में आबकारी आयुक्त रहे एके सिंह कहते हैं कि कोई भी राज्य आपकी सलाह मानने को तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि आबकारी आयुक्त रहते हुए शराब की तस्करी को रोकने के लिए उन्होंने हरियाणा के आबकारी आयुक्त से आबकारी कर समान करने के लिए पहल करने को कहा, वे इसके लिए तैयार नहीं हुए। दिल्ली में अपने आप ही आबादी बेहिसाब बढ़ रही है, ऊपर से पड़ोस के इलाकों से हर रोज पचास से साठ लाख लोग आते हैं। वे पैदल तो आते नहीं। उनके वाहन पहले से बढ़े प्रदूषण को बढ़ाने में योगदान दे रहे हैं। दिल्ली की अपनी सरकारी एजेंसियों में तालमेल न होने के चलते भी दिल्ली का नुकसान होता जा रहा है। दिल्ली विकास प्राधिकरण(डीडीए) की स्थापना दिल्ली को व्यवस्थित करने की योजना बनाने के लिए की गई, मकान बना कर बेचना उसने अपना मुख्य काम बना लिया। धीरे-धीरे उसके मास्टर प्लान बेकार साबित होने लगे और वह एक बड़ा बिल्डर जैसा बन गया। दुनिया के अमीर देश-अमेरिका और चीन बिजली बचाने के लिए अंतरिक्ष में डाटा सेंटर बना रहे हैं। अपने देश में अभी तक एक दूसरे राज्य से बिजली-पानी खरीदने-बेचने में ही लगे हुए हैं। दिल्ली अपनी जरूरत का केवल दस फीसदी पानी अपने से जुटा पाती है। बाकी के लिए तो दूसरे राज्यों पर ही निर्भरता है। फिर भी लगातार दिल्ली में पानी का संकट बना ही हुई है। हिमाचल प्रदेश के रेणुका बांध से दिल्ली को पानी मिलने का भरोसा सालों से मिल रहा है। यह कैसे संभव है कि दूसरे राज्य अपने पानी न लेकर सारा ही पानी दिल्ली को देने लगेंगे। हालात इस बार बदले हुए हैं। एनसीआर योजना के समय दिल्ली और पड़ोस के राज्यों में कांग्रेस की सरकार थी तो अभी हर जगह भाजपा की सरकार है। इतना ही नहीं गजब राजनीतिक इच्छाशक्ति वाले नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री हैं। दिल्ली पर यातायात का दबाव घटाने के लिए मोदी सरकार ने ईस्टर्न पेरिफेरियल एक्सप्रेसवे, वेस्टर्न पेरिफेरियल एक्सप्रेसवे, दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे और दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे बनाया। दिल्ली मेट्रो रेल दिल्ली और एनसीआर में 295 किलोमीटर तक बन चुका है। चौथे चरण में इसमें करीब 48 किलोमीटर और जुड़ जाएगा। इस पर भी काम शुरू हो गया है। दिल्ली मेट्रो से हर रोज यात्रा करने वालों की औसत संख्या पचास लाख से ऊपर है। यह संख्या 70 लाख भी पार कर जाती है। दिल्ली-मेरठ नमो भारत रेल कोरिडोर के बाद दिल्ली-करनाल और दिल्ली-अरवल कोरिडोर बनने वाला है। इन सभी का लाभ तो दिल्ली को होगा ही। दिल्ली की समस्या यह है कि दिल्ली का अपना ज्यादा कुछ नहीं है। मौसम भी पड़ोसी राज्यों पर निर्भर है। इतना ही नहीं दिल्ली अपनी जरूरतों को पूरा करने के संसाधनों के लिए भी दूसरे राज्यों पर निर्भर है। 1911 में दिल्ली देश की राजधानी बनी तब दिल्ली की आबादी करीब 2,38 हजार थी, जो 1947 में बढ़कर 6,95 हजार हो गई थी। अब आबादी करीब तीन करोड़ है और एनसीआर की कुल आबादी की करीब साढ़े चार करोड़ हो गई है। एनसीआर की आबादी भी मूल रूप से दिल्ली की आबादी ही है। दिल्ली से बाहर बसने वाले ज्यादातर लोग आज भी दिल्ली से ही जुड़े हुए हैं। उनमें ज्यादातर के कारोबार या नौकरी दिल्ली में ही है। राजधानी बनने के बाद 1915 में यमुना पार के 65 गांव दिल्ली में जुड़े। तब से दिल्ली का इलाका 1483 किलोमीटर ही बना हुआ है। निकट भविष्य में इसमें बढ़ोतरी होने की संभावना नहीं दिख रही। दिल्ली से आबादी का दबाव घटाने और अब बेकार मानी जाने वाली डीडीए को सहयोग देने के लिए डीडीए की तरह ही केन्द्रीय शहरी विकास मंत्रालय के अधीन एनसीआर बनाने की योजना तो 1962 में ही बनी लेकिन उसका गठन 1985 में हो पाया। केन्द्रीय शहरी विकास मंत्री इसके अध्यक्ष और दिल्ली के उप राज्यपाल के अलावा उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान के मुख्यमंत्री इसके सदस्य बनाए गए। एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी इसके सदस्य सचिव होते हैं। 1985 में बोर्ड बनने पर 2001 की आबादी को लक्ष्य मानकर 1988 में काम शुरू हुआ तब तक योजना से ज्यादा आबादी हो गई थी। एनसीआर के शहरों और दिल्ली के बीच में एक किलोमीटर का गलियारा हरियाली के लिए छोड़ना था। यानि एनसीआर बसना था दिल्ली से हट कर वे बस गए दिल्ली से सटकर। इतना ही नहीं दिल्ली में एक तरह से हर किसी को हर जगह एक तरह से अवैध निर्माण करने की छूट दे दी गई। जो योजनाएं पहले से बनी उसमें तो केवल खामियां ही खामियां हैं।

# सुभाष चन्द्र बोस : झांसी की रानी रेजिमेंट का गठन कर महिला सशक्तिकरण का संदेश

**डॉ. लोकेश कुमार**

सुभाषचंद्र बोस भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के नायकों में हैं जिनके क्रांतिकारी प्रयासों से ब्रिटिश वर्चस्व की रीढ़ टूट गई। सबसे प्रभावशाली और क्रांतिकारी नेताओं में शामिल नेताजी सुभाषचंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी, 1897 को ओडिशा के कटक में हुआ था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने साल 2021 से सुभाष चन्द्र बोस की जयंती को 'पराक्रम दिवस' मनाने का निर्णय लिया। यह निर्णय उनकी 125वीं जयंती के अवसर पर लिया गया। यह घोषणा उनके अदम्य साहस और देश के प्रति निःस्वार्थ सेवा को सम्मान देने के लिए की थी, जिससे देश के युवाओं को देशभक्ति और विपरीत परिस्थितियों में धैर्य रखने की प्रेरणा मिल सके। नेताजी 1938 और 1939 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गए थे लेकिन महात्मा गांधी के साथ वैचारिक मतभेदों के चलते उन्होंने अपना इस्तीफा दे दिया। उन्होंने 'ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक' नामक राजनीतिक दल की स्थापना की थी, जिसकी घोषणा उन्होंने 3 मई, 1939 को कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के बाद की थी। इसका मुख्य कारण था कि कांग्रेस के भीतर सक्रिय क्रांतिकारियों को एकजुट करके भारत को शीघ्र से शीघ्र ब्रिटिश शासन से आजादी दिलाई जा सके और पूर्ण स्वराज के लक्ष्य को प्राप्त कर सकें। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के भीतर एक वामपंथी और क्रांतिकारी मंच बनाना, जो जनता की स्वतंत्रता की इच्छा को पूरा कर सके और ब्रिटिश राज के खिलाफ संघर्ष को तेज कर सके। बोस ने 1939 में 'फॉरवर्ड ब्लॉक' नामक एक राजनीतिक साप्ताहिक समाचार पत्र भी निकाला। उन्हें नेताजी की उपाधि जर्मनी में भारतीय प्रवासियों और सैनिकों ने दी थी। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस ने दूसरे विश्व युद्ध के दौरान अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने के लिए 'आजाद हिंद फौज' का गठन किया और आजाद हिंद फौज का नेतृत्व भी किया। 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूँगा' और 'दिल्ली चलो' जैसे नारों से लाखों भारतीयों को प्रेरित किया। सुभाष चंद्र बोस ने 'दिल्ली चलो' का नारा



सिंगापुर से 1943 में दिया था, जो भारतीय राष्ट्रीय सेना के सैनिकों को ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ दिल्ली की ओर कूच करने और भारत को आजाद कराने के लिए प्रेरित करने के लिए दिया गया था। यह नारा अंतिम लक्ष्य का प्रतीक बन गया था, यह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में बलिदान, साहस और राष्ट्रवाद की भावना का शक्तिशाली प्रतीक बन गया, जो अहिंसक तरीकों के साथ सशस्त्र संघर्ष के माध्यम से आजादी हासिल करने के उनके दृष्टिकोण को बताता है। दिल्ली चलो' के नारे ने सैनिकों और दक्षिण-पूर्व एशिया के भारतीयों में जोश भर दिया, उन्हें आजादी की लड़ाई में कूदने के लिए प्रेरित किया। यह नारा अंग्रेजों को देश से खदेड़ने और दिल्ली पर कब्जा करने को लेकर दिया था। नेताजी ने कहा था कि दिल्ली की राह आजादी की राह है। राष्ट्रवाद का प्रतीक यह नारा भारत की राष्ट्रीय एकता और स्वतंत्रता के लिए सर्वोच्च बलिदान देने की भावना का प्रतीक है, जो आज भी पराक्रम दिवस के अवसरों पर याद किया जाता है। ब्रिटिश शासन के खिलाफ सशस्त्र संघर्ष के माध्यम से भारत की पूर्ण स्वतंत्रता के लिए, लड़ना था, जिसमें उन्होंने जर्मनी और जापान जैसे देशों का सहयोग लिया। उन्होंने आजाद हिन्द फौज के माध्यम से भारतीय सैनिकों और विदेशों में बसे भारतीयों को संगठित किया और ब्रिटिश सेना से लोहा लिया। उन्हें ब्रिटिश भारत की राजधानी की ओर बढ़ने और स्वतंत्रता हासिल करने की प्रेरणा मिली। उन्होंने बर्मा (अब म्यांमार) में एक निर्वासन सरकार की स्थापना की, जिसे कई देशों ने मान्यता दी। वे उस निर्वासन सरकार के प्रधानमंत्री भी बने। उनका कहना था कि देश को अंग्रेजों से मुक्ति प्रार्थना पत्रों, अहिंसक आन्दोलन से नहीं मिलने वाली है। इसके लिए अहिंसा के बजाय सशस्त्र संघर्ष से ही भारत को आजादी मिल सकती है, जिसके लिए उन्होंने एक्सिस शक्तियों (जर्मनी, जापान) से सहायता मांगी। महिला सशक्तिकरण के रूप में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने झांसी की रानी रेजिमेंट का गठन कर के महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जो महिलाओं की सक्रिय भागीदारी का प्रतीक था। झांसी की रानी रेजिमेंट पूरी तरह से महिलाओं के लिए थी और उन्हें युद्ध और नर्सिंग प्रशिक्षण भी दिया गया। इससे महिलाओं को स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भूमिका निभाने और सशक्त, स्वावलंबी बनने का अवसर मिला। उन्होंने महिलाओं के लिए विशेष रूप से एक सैन्य दस्ता (रेजिमेंट) बनाई, जिसमें महिलाओं को हथियार चलाने, तलवारबाजी और नर्सिंग का प्रशिक्षण दिया गया, जिससे उन्हें पारंपरिक बंधनों से मुक्ति मिल सकें। नेताजी का मानना था कि देश की आजादी के लिए पुरुषों और महिलाओं दोनों की ही बराबर की भागीदारी होनी आवश्यक है और वे महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे देखना चाहते थे। उन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें सामाजिक-आर्थिक असमानताओं से निकालने के लिए प्रेरित किया, ताकि वे परिवार और समाज को शिक्षित कर सकें। वे अपने भाषणों में हमेशा पुरुष के अपेक्षा महिलाओं को कमजोर नहीं मानते थे। उनके भाषणों का प्रभाव रहा कि बड़ी संख्या में महिलाओं को राष्ट्रीय आंदोलन में भाग लेने के लिए प्रेरित किया, जिससे उनमें आत्मविश्वास और निडरता आई। उन्होंने महिलाओं के लिए शिक्षा और शारीरिक व मानसिक विकास पर जोर दिया, उनका मानना था कि एक शिक्षित महिला पूरे परिवार और देश को शिक्षित कर सकती है। बहरहाल, हम यह कह सकते हैं कि सुभाष चंद्र बोस ने महिलाओं को केवल सहायक भूमिकाओं तक सीमित नहीं रखा उनका मानना था कि महिलाएं स्वतंत्रता और राष्ट्र-निर्माण की लड़ाई में बराबर की हकदार हैं। महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए ठोस कदम उठाए। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम की बलिवेदी पर अपना जीवन न्योछावर कर दिया।

# नूतन ऊर्जा और ऊष्मा का संचरण करती है 'वसंतपंचमी'

**आचार्य पं. पृथ्वीनाथ पाण्डेय**

वसंत ऋतु की मस्ती और उल्लास के क्षण में वसंतपंचमी का पर्व मनाया जाता है। यह पर्व मानव-हृदय मे नूतन ऊर्जा और ऊष्मा का संचरण करता है। सरस्वती की आराधना इस पर्व की विशेषता है। वस्तुतः सरस्वती 'कला' और 'साहित्य' की देवी हैं, जिनका भारतीय संस्कृति में शीर्ष स्थान है। हमारे पौराणिक ग्रन्थों में सरस्वती 'नागेश्वरी', 'भारती', 'शारदा', 'हंसवाहिनी', 'वीणावादिनी' इत्यादिक नामों से विश्रुत हैं तथा अत्यन्त विस्तारपूर्वक उनकी महिमा का वर्णन भी किया गया है। इसी आधार पर देश के विभिन्न भू-भागों में वसंतपंचमी के अलौकिक अवसर पर माँ शारदा का अर्चन-पूजन-स्तवन अतीव श्रद्धापूर्वक किया जाता है। वसंतपंचमी का पर्व भगवती सरस्वती को समर्पित रहता है। अब आइए! 'वसंतपंचमी' का व्याकरणिक ज्ञान प्राप्त करें। वसंतपंचमी में दो शब्द हैं :– 'वसंत' और 'पंचमी'। हम पहले 'वसंत' शब्द को समझेंगे। यह 'वस्' धातु का शब्द है, जिसमे 'झच्' प्रत्यय जुड़ा हुआ है। इस प्रकार 'वसंत' शब्द का सर्जन होता है। हेमन्त और ग्रीष्म के मध्य की ऋतु 'वसंत' है। अब समझते हैं, 'पंचमी' को। पंचम शब्द मे 'ङीष्' प्रत्यय के जुड़ने से 'पंचमी' शब्द की रचना होती है। चान्द्रमास के प्रत्येक पक्ष की पाँचवीं तिथि 'पंचमी' कहलाती है। इस प्रकार 'वसंतपंचमी' का अर्थ हुआ- 'माघमास की शुक्लपंचमी'। इसे 'श्रीपंचमी' भी कहा गया है। यदि आप 'वसंतपंचमी' को अलग-अलग करके 'वसंत पंचमी' लिखते हैं तो आपका लेखन अशुद्ध माना जायेगा। आप इसे शुद्धतापूर्वक दो प्रकार से लिख सकते हैं :– (१) वसंतपंचमी (२) वसंत-पंचमी। 'वसंतपंचमी' पर्व-आयोजन के मूल में एक मोहक कथा है। आप भी श्रवण करें :– जब सृष्टि का आरम्भ होने का समय आ गया था तब भगवान् विष्णु ने ब्रह्मा को अपने पास बुलाया और उन्हें आदेश किया था- आप मनुष्य-योनि की रचना आरम्भ करें। ब्रह्मा ने भगवान् विष्णु का आदेश ग्रहण करने के पश्चात् मनुष्य-योनि की रचना की थी; परन्तु ब्रह्मा अपनी उस रचना से संतुष्ट नहीं थे। वे भगवान् विष्णु के पास पहुँचे और उनसे पुनः रचना करने के लिए अनुमति माँगी थी। विष्णु ने अपनी अनुमति दे दी थी। वे अपने लोक 'ब्रह्मलोक' लौट आये। अब वे सृष्टिरचना-प्रक्रिया से जुड़ गये। उन्होंने अपने कमण्डल से जल निकालकर उसे पृथ्वी पर छिड़क दिया था, जिसके कारण पृथ्वी में प्रतिक्रिया होने लगी, फलस्वरूप पृथ्वी पर कम्पन होने लगा तथा देखते-ही-देखते, एक अद्भुत शक्ति प्रकट हो गयी, जिसकी चार भुजाएँ थीं, जो सुदर्शना थी। उस चतुर्भुजी देवी के एक हाथ में वीणा और दूजा हाथ वर देने की मुद्रा में था। उनके अन्य दो हाथों में पुस्तक और माला थी। उस चतुर्भुजी देवी ने अपने प्रकट होते ही वीणा का सुमधुर झंकार किया था, जिससे संसार के समस्त जीवधारियों को वाणी प्राप्त हो गयी थी। उस प्रभाव का अनुभव करते ही, ब्रह्मा ने उस देवी का 'वाक्देवी'/'वाग्देवी'/'वाणी की देवी सरस्वती' का नामकरण किया था। माँ सरस्वती की सर्वप्रथम आराधना करके 'सरस्वती-पूजन' का समारम्भ श्री कृष्ण ने किया था। इसके लिए सिर पर मुकुट, गले में वैजयन्तीमाला, हाथों में मुरली धारण करते हुए, उन्होंने सर्वप्रथम देवी सरस्वती की अभ्यर्थना की थी। 'ब्रह्मवैवर्तपुराण' के 'प्रकृति-खण्ड' में कहा गया है कि श्री कृष्ण द्वारा पूजित होने पर माँ सरस्वती समस्त लोक मे सबके द्वारा पूजी जायेंगी। इसी अवसर पर श्री कृष्ण ने सरस्वती को यह वर दिया था– हे सरस्वती! अब तुम्हारी पूजा सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड में प्रत्येक माघमास की शुक्लपंचमी की तिथि से समारम्भ हो जायेगी, जो यही विद्यारम्भ की तिथि भी कहलायेगी। वास्तव में, सरस्वती जलदेवी हैं। सरस्वती नदी के नाम पर ही उनका उल्लेख किया जाता है। उनका जल हिमालय से निर्गत होता है, जो दक्षिण-पूर्व प्रवहमानता के साथ तीर्थराज प्रयाग-स्थित गंगा-यमुना के साथ संगम कर, 'त्रिवेणी' के नाम से अभिहित होने लगता है। सरस्वती को 'वाग्देवी' और 'ज्ञानदेवी' की संज्ञा से भी विभूषित किया गया है। उल्लेखनीय है कि प्राचीनकाल में इसी सारस्वत अवसर पर गुरुकुलों और आश्रमों के स्नातकों के 'दीक्षान्त-समारोह' आयोजित किये जाते थे। वसंत को 'ऋतुराज' भी कहा जाता है। यों तो सिद्धान्ततः वसंत ऋतु तीन महीने की होती है; तापमान सामान्य रहता है; न तो अधिक शीत की ठिठुरन और न ही अधिक ग्रीष्म की तपन। फाल्गुन ('फागुन' का तत्सम शब्द)-मास है; शिशिर ऋतु का अन्त हो रहा है। वह शीत, जिसने क्या मनुष्य, पशु, पक्षी, पौधे-पेड़; अर्थात् समस्त जड़-चेतनजगत् मे अपने तीक्ष्ण प्रहारों से 'ठिठुरन' ला दी थी, अब वही आतंकी शीत अन्तिम श्वास ले रहा है। हवा में गरमाहट आ गयी है। वसंत का आगमन हो रहा है। उसके स्वागत और अभिनन्दन के लिए लताओं और वृक्षों ने नूतन परिधान धारण कर लिये हैं। सरसों वासंती साड़ी पहन इतरा रही है; इठला रही है तथा वसुधा पर सर्वत्र बिछी हरीतिमा पर अठखेलियाँ खेल रही है। ऐसा प्रतीत होता है, मानो क्षितिज वसुन्धरा के साथ संवाद करने और अभिरम्भ (भींचकर गले लगाने के लिए उद्यत) करने के लिए मचल हो उठा हो; नभ में विहगवृन्द उन्मुक्त भाव के साथ अपने वक्षप्रान्त को लहरा-लहराकर यों उड़ान भर रहे हैं, मानो अवनि और अम्बर-तल में स्वच्छ चाँदनी सम्पूर्ण आभा और प्रभा के साथ अपनी समुपस्थिति अंकित करा रही हो; पक्षियों का कलरव यों प्रतीत होता है, मानो उनका वृन्द (समूह) समवेत स्वर मे 'स्वागत-गान कर रहा हो; भौंरे विरुदावली गुनगुना रहे हैं; बौर की सम्पन्नता से आम की डालियाँ विनम्रतापूर्वक नतमस्तक हो रही हैं; वहीं पुष्पवाटिका मे रंग-विरंगे पुष्पों से सुशोभित पौधे यत्र-तत्र-सर्वत्र अपना सौरभ बिखेर रहे हैं। मन-प्राण को सम्मोहित करनेवाले ऐसे प्रफुल्ल वातावरण मे कुसुमाकर 'वसंत' का पादप्रक्षेप (पदार्पण) होता है। वसंतऋतु में प्रकृति अपना नव श्रृंगार करती है। रंग-विरंगे पुष्पों से अलंकृत उसका कोमल शरीर दर्शकगण को मन्त्रमुग्ध कर लेता है। ऐसे वातावरण की सृष्टि होती है, मानो प्रकृति 'नव वधू'-सी प्रतीत हो रही हो, जिससे प्रेरित होकर ही कोकिल कूजती है; भ्रमर गुनगुनाते हैं; अन्य पक्षी कलरव कर, उसका यशोगान करते हैं तथा मानव रागरंग और और वसंत की मादक गन्ध से मस्त हो जाते हैं। मस्ती के ऐसे ही क्षण मे 'फाग' का स्वर स्वतः फूट पड़ता है। सृष्टि-सौन्दर्य की झाँकी वनो, उपवनो, पर्वतीय क्षेत्रों तथा ग्राम्यांचलों में ही देखने को मिलती है, जहाँ प्रकृति एवं निसर्ग के मनोहारी रूप के दर्शन होते हैं। सुबह-शाम खेतों की ओर निकल आइए, आपको सरसों के पीले-पीले फूल, हवा मे लहराती जौ-गेहूँ की बालियाँ, छीमियाँ/छेमियाँ तथा श्वेत-नीले फूलों से लदे और धरती पर फैले हुए पौधे आपका मन मोह लेंगे और आम्र-मंजरियाँ अपनी सुगन्ध से आपको सम्मोहित कर लेंगी। नगरों में ऐसे मोहक परिदृश्य से नगरवासी वंचित रहते हैं। वसंत की बहार का वास्तविक आनन्द तो पर्वतीय और ग्रामीणजन ही ले पाते हैं। वसंत के आगमन का प्रभाव प्रकृति पर ही नहीं, मानव के स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। वसंतऋतु में प्रातः उन्मुक्त और स्वच्छ हवा मे टहलना, स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद होता है। इससे पाचनशक्ति मे वृद्धि होती है और शरीर नीरोग रहता है। चूँकि वसंतऋतु मे वायु विशुद्ध और सुगन्ध से सराबोर रहती है इसलिए उसमे श्वास लेने से फेफड़ों मे किसी प्रकार के रोग होने की सम्भावना जाती रहती है।

# आज का राशिफल

**मेष राशि–** उधार दिया हुआ पैसा आज आपको अचानक वापस मिल सकता है आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। अपने बिजनेस को बढ़ाने के लिये आपको नये अवसर मिलेंगे। किसी को उधार दिया हुआ पैसा आज आपको अचानक वापस मिल सकता है। व्यापार में किसी व्यक्ति से फायदा मिलने की उम्मीद बढ़ेगी। जिससे आपका उत्साह बढ़ेगा। भाई-बहनों से आपको सहयोग मिलेगा।

**वृष राशि–** संतान पक्ष से बड़ी खुशखबरी मिलेगी आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपकी योजनाओं के अनुसार, सभी काम होने से आपका मन काम में लगा रहेगा। सामाजिक कामों में आपकी रूचि बढ़ सकती है। आपको जीवनसाथी से कार्यों में सहयोग मिलेगा। व्यापार में साझेदारी से आपको लाभ हो सकता है।

**मिथुन राशि–** आज किसी से लिए उधार से छुटकारा मिलेगा आज आपका दिन अच्छे मूड से शुरू होने वाला है। कुछ दिनों से चल रही किसी दोस्त की नाराजगी आज ख़त्म होगी। राजनीति व सामाजिक कार्यों से जुड़े लोगों के लिए दिन फेवरेबल रहेगा। महिलाओं के लिए दिन शानदार रहेगा। बिजनेस मैन आज जरुरी मीटिंग अटेंड कर सकते हैं।

**कर्क राशि–** आज अपने काम पर पूरा फोकस करेंगे आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। इस राशि के स्टूडेंट्स का दिन राहत भरा होगा नया शेड्यूल बनाने का विचार कर सकते हैं। आज ऑफिस में फ़ोन का इस्तेमाल कम से कम करेंगे और अपने काम पर पूरा फोकस करेंगे। पैसों के मामलों में लोगों पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करने से बचना चाहिए।

**सिंह राशि–** आज पहले से चली आ रही समस्याओं का समाधान मिलेगा आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आपकी पहले से चली आ रही समस्याओं का समाधान मिलेगा, जिससे आपका मन प्रसन्न होगा। परिवार में धार्मिक अनुष्ठान की योजना बन सकती है। आप जीवन को बेहतर बनाने के लिए कुछ अच्छे बदलाव करने की कोशिश करेंगे। आप स्वस्थ रहें इसके लिए आपको अच्छी डाइट लेनी चाहिए।

**कन्या राशि–** आज किस्मत का खूब साथ मिलेगा आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। आपका ध्यान काम को पूरा करने में लगा रहेगा। आज आपको किस्मत का साथ मिलने से कार्यों को पूरा करने में सफल होंगे। ऑफिस में किसी काम को लेकर थोड़ा विचार-विमर्श करना पड़ सकता है। शत्रुपक्ष आपकी योजनाओं से ज्यादा प्रभावित हो सकते हैं।

**तुला राशि–** शत्रु पक्ष आज आपसे दूरियां बनाकर रहेंगे आज आपका दिन उत्साह से भरा रहने वाला है। आज बिजनेस में आपको बड़ा धन लाभ होगा। शत्रु पक्ष आज आपसे दूरियां बनाकर रहेंगे। जो लोग लकड़ी के व्यापार से जुड़े हैं, आज उनको बड़ा प्रोजेक्ट मिलेगा। राइटर आज नई स्टोरी लिख सकते हैं जिसे लोगों द्वारा खूब पसंद किया जायेगा।

**वृश्चिक राशि –** बिज़नेस कर रहे कारोबारियों को आज फायदा होगा आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। अगर किसी बिजनेस ट्रिप के लिये आप बाहर जा रहे हैं, तो घर के बड़े-बुजुर्ग का आशीर्वाद लेकर जाएं आपका काम सफल होगा। आज आपके जीवनसाथी को तरक्की का अच्छा अवसर मिलेगा।

**धनु राशि–** ऑफिस में रुके हुए काम समय से पूरे हो जायेंगे आज आपका दिन उत्तम रहने वाला है। आज आप अपने मन की बात किसी ख़ास मित्र से शेयर करेंगे। परिवार वालों के साथ बाहर मूवी का प्लान बन सकता है। दोस्त की बर्थ-डे पार्टी मे जायेंगे जहां बाकी दोस्तों के साथ इंज्वाय करने का मौका मिलेगा। आज नई स्किल सीख सकते है जिसका लाभ आपको भविष्य में जरूर मिलेगा।

**मकर राशि–** एकाग्र मन से किया गया काम लाभदायक साबित होगा आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। एकाग्र मन से किया गया काम लाभदायक साबित होगा। लवमेट के लिये आज का दिन बढ़िया है। साथ ही किसी अच्छे रेस्टोरेन्ट में भी जा सकते हैं। किसी जिम्मेदारी को अनदेखा करने से आपको बचना चाहिए। आपकी सेहत ठीक-ठाक रहेगी।

**कुंभ राशि–** आज आपको माता-पिता का सहयोग मिलता रहेगा आज आपका दिन पहले की अपेक्षा अच्छा रहेगा। आप परिवार वालों के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड करेंगे साथ ही जीवनसाथी के साथ आपकी लंबी बातचीत हो सकती है, इससे आपके रिश्ते बेहतर होंगे। दोस्तों के साथ घर पर ही मूवी देखने की प्लानिंग कर सकते हैं। आपकी मुलाकात किसी ऐसे व्यक्ति से होगी, जिससे आपको भविष्य में फायदा हो सकता है।

**मीन राशि–** आज पारिवारिक माहौल शानदार रहने वाला है आज आपका दिन नई उमंगो के साथ शुरू होने वाला है। आपका अच्छा व्यवहार समाज में अलग पहचान बनाने में मदद करेगा। घर पर डेकोरेशन का काम करवा सकते हैं। कॉन्ट्रैक्टर्स के लिए आज का दिन धनलाभ देने वाला है । आज अपने डेली रूटीन में कुछ बदलाव कर सकते हैं।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

# दूसरे टी20 में भी जीत का सिलसिला बनाये रखने उतरेगी टीम इंडिया

एजेंसी, रायपुर

भारतीय क्रिकेट टीम शुक्रवार को यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच टी20 मैचों की सीरीज के दूसरे मैच में भी जीत का सिलसिला बनाये रखने उतरेगी। पहले टी20 में मिली 48 रनों की जीत से भारतीय टीम इस सीरीज में पहले ही 1-0 से आगे है। अब उसका लक्ष्य अपनी बढ़त को 2-0 करना रहेगा। भारतीय टीम के बल्लेबाज और गेंदबाज दोने ही लय में हैं जिसका लाभ उसे मिलेगा। पहले ही मैच में अभिषेक शर्मा और रिंकू सिंह ने आक्रामक बल्लेबाजी कर टीम को अच्छे स्कोर तक पहुंचाया था। वहीं कप्तान सूर्यकुमार यादव ने भी 32 रनों की अपनी पारी से लय हासिल कर ली है। भारतीय गेंदबाजों ने भी पहले मैच में कीवी टीम को 200 रनों के अंदर समेट कर अपनी टीम को आसानी से जीत दिला दी। यहां के मैदान पर अब तक हुए एक टी20 मैच में भारतीय टीम जीत थी। ये मैच साल 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुआ था। तब भी सूर्यकुमार यादव ही कप्तान थे। उस मुकाबले में रिंकू सिंह और अक्षर पटेल ने अच्छा प्रदर्शन किया था। वहीं अब रिंकू से इस मैच में

भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। अक्षर को पहले टी20 में अंगुली में चोट लग गयी थी। ऐसे में उनका इस मैच में खेलना संदिग्ध नजर आता है। रिंकू ने पहले टी20 में 20 गेंदों में नाबाद 44 रन की आक्रामक पारी खेली थी। दूसरे टी20 में भारतीय टीम की नजरे शीर्ष क्रम में संजू सैमसन और ईशान किशन के प्रदर्शन पर भी रहेंगी। पहले टी20 में ये दोनो ही विफल रहे थे। सैमसन हाल में अंतिम एकादश से अंदर बाहर होते रहे हैं पर अब अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप को देखते हुए उन्हें अवसर मिलना तय है। सैमसन भी अवसर मिलने पर बड़ा स्कोर बनाना चाहेंगे। इसके अलावा ईशान भी इस मैच में बड़ी पारी खेलना चाहेंगी। कप्तान सूर्यकुमार भी इस मैच में बड़ी पारी खेलकर अपना मनोबल बढ़ाना चाहेंगे। पहले टी20 में उन्होंने 22 गेंदों में 32 रन बनाये थे। वहीं दूसरी ओर मेहमान टीम न्यूजीलैंड इस मैच में जीत दर्ज कर सीरीज में वापसी करना चाहेगी। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज इस मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहेंगे। कीवी टीम की बल्लेबाजी डेवोन कॉनवे, ग्लेन फिलिप्स, माइकल ब्रैसवेल, रचिन रविंद्र और डैरिल मिचेल पर निर्भर करेगी जबकि गेंदबाजी जैकब डफी, मिशेल सैंटनर, काइल जैमीसन पर आधारित रहेगी।

**दोनों टीमें इस प्रकार हैं:**

**भारत:** सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), इशान किशन, श्रेयस अय्यर, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, रिंकू सिंह, अर्शदीप सिंह, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा.

**न्यूजीलैंड:** मिचेल सैंटनर (कप्तान), डेवोन कॉनवे, बेवन जैकब्स, डैरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, टिम रॉबिन्सन, जिमी नीशम, ईश सोढ़ी, जैक फाउल्स, मार्क चैपमैन, माइकल ब्रैसवेल, रचिन रविंद्र, काइल जैमीसन, मैट हेनरी, जैकब डफी.

# अभिषेक ने युवराज को पीछे छोड़ा, सबसे अधिक छक्के लगाने वाले छठे भारतीय खिलाड़ी बने

एजेंसी, नागपुर

भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले ही टी20 मैच में अपनी अर्धशतकीय पारी में चार छक्के लगाने के साथ ही दिग्गज ऑलराउंडर युवराज सिंह का एक रिकार्ड तोड़ दिया। इस मैच में अभिषेक ने केवल 22 गेंदों में ही 4 चौके और 4 छक्के लगाकर अपने 50 रन पूरे कर लिए। अभिषेक ने अभिषेक को टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में युवराज के छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ने के लिए केवल 3 छक्कों की जरूरत थी जो उन्होंने आसानी से लगा दिये। अभिषेक ने पांचवें ओवर की पांचवीं गेंद पर क्रिस्टियन क्लार्क की गेंद पर छक्का लगाते ही युवराज को पीछे छोड़ दिया। अब अभिषेक टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में छक्के लगाने वाले भारतीय खिलाड़ियों की सूची में छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। उनके नाम अब इस प्रारुप में कुल 81 छक्के हो गये हैं। वहीं युवराज के नाम 74 छक्के हैं। भारत की ओर से सबसे अधिक 205 छक्के रोहित शर्मा के नाम है जबकि सूर्यकुमार याद 74 छक्के लगाकर दूसरे और विराट कोहली 124 छक्के लगाकर तीसरे नंबर पर हैं। हार्दिक

पंड्या 106 छक्के लगाकर चौथे जबकि केएल राहुल 99 छके लगाकर पांचवे नंबर पर हैं। छक्कों के साथ-साथ ही अभिषेक रनों के मामले में भी युवराज से आगे निकल गये हैं। इस मैच में 200 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से रन बनाये। जहां युवराज ने 51 पारियों में 1177 रन बनाए थे, वहीं अभिषेक ने केवल 33 पारियों में ही 1198 रन बना लिए हैं। गौरतलब है कि टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में युवराज ने साल 2007 से 2017 के बीच 58 मैचों की 51 पारियों में 74 छक्के लगाए थे। इस दौरान युवराज ने 8 अर्धशतक लगाकर 1177 रन बनाए।

## ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026: डिफेंडिंग चैंपियन मैडिसन कीज़ और छठी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला तीसरे दौर में पहुंचीं

एजेंसी, मेलबर्न

मेलबर्न पार्क में खेले जा रहे ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 में डिफेंडिंग चैंपियन मैडिसन कीज़ ने अपने खेल में उतार-चढ़ाव के बावजूद तीसरे दौर में जगह बना ली है। गुरुवार को खेले गए दूसरे दौर के मुकाबले में कीज़ ने अपनी हमवतन एशलिन क्रूगर को 6-1, 7-5 से हराया। मैच की शुरुआत में कीज़ पूरी तरह हावी रहीं। उन्होंने सिर्फ 23 मिनट में पहला सेट जीत लिया, जिसमें उन्होंने सात विनर्स लगाए और मिले तीनों ब्रेक प्वाइंट्स को भुनाया। हालांकि दूसरे सेट में विश्व रैंकिंग में नौवें स्थान पर काबिज कीज़ का खेल कुछ समय के लिए लड़खड़ा गया। लगातार डबल फॉल्ट्स के कारण उन्होंने दो बार अपनी सर्विस गंवाई, जिससे 21 वर्षीय क्रूगर ने तीन गेम की बढ़त बना ली। इसके बाद कीज़ ने शानदार वापसी करते हुए लगातार

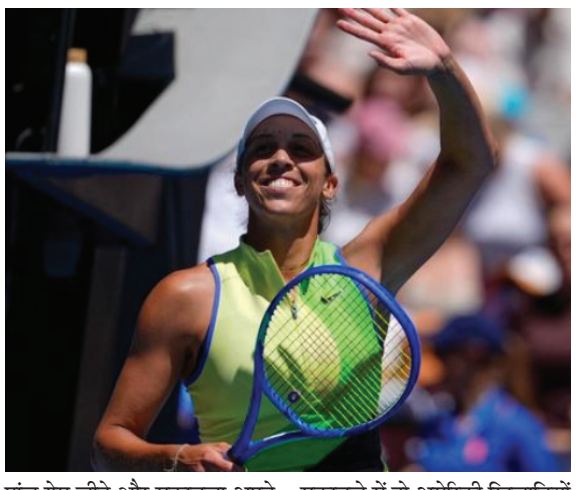

पांच गेम जीते और मुकाबला अपने नाम कर लिया। जीत के बाद कीज़ ने कहा, "मैंने मैच की शुरुआत काफी अच्छी की थी और मुझे पता था कि एशलिन अपना स्तर जरूर बढ़ाएंगी। जैसे ही मुझे लय मिली, मैंने सेट में वापसी के लिए पूरी कोशिश की।" दिन के एक अन्य मुकाबले में दो अमेरिकी खिलाड़ियों के बीच हुए मैच में छठी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला ने मैकार्टनी केस्लर को एकतरफा अंदाज में 6-0, 6-2 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया। इस तरह अमेरिकी खिलाड़ियों का ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 में शानदार प्रदर्शन जारी है।

## इंडोनेशिया मास्टर्स 2026: पी. वी. सिंधु और लक्ष्य सेन क्वार्टरफाइनल में पहुंचे

एजेंसी, जकार्ता

इंडोनेशिया मास्टर्स 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय शटलरों पी. वी. सिंधु और लक्ष्य सेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गुरुवार को अपने-अपने प्री-क्वार्टरफाइनल मुकाबले जीतकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया। पुरुष एकल वर्ग में लक्ष्य सेन ने हांगकांग के जेसन गुनावन को सीधे गेमों में 21-10, 21-11 से हराया। यह मुकाबला महज आधे घंटे से थोड़ा अधिक समय तक चला, जिसमें लक्ष्य ने शुरुआत से अंत तक पूरा नियंत्रण बनाए रखा। वहीं, दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी. वी. सिंधु ने महिला एकल के राउंड ऑफ 16 मुकाबले में डेनमार्क की लाइन क्येरफेल्ड्ट को 21-19, 21-18 से शिकस्त दी। 43 मिनट तक चले इस मुकाबले में सिंधु ने अहम मौकों पर धैर्य दिखाते हुए जीत दर्ज की। यह क्येरफेल्ड्ट के खिलाफ सिंधु की छह मुकाबलों में पांचवीं जीत रही। अब क्वार्टरफाइनल में सिंधु का सामना टूर्नामेंट की शीर्ष वरीयता प्राप्त और विश्व नंबर चार चीन की चेन यू फेई से होगा। अब तक दोनों खिलाड़ियों के बीच 13 मुकाबले खेले जा चुके हैं, जिसमें चेन यू फेई को 7-6 की मामूली बढ़त हासिल है। सिंधु की चेन यू फेई के खिलाफ आखिरी जीत साल 2019 में आई थी और वह इस रिकॉर्ड को बेहतर बनाने के इरादे से क्वार्टरफाइनल मुकाबले में उतरेंगी।

## ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026: जोकोविच ने क्वालिफ़ायर माएस्ट्रेल्ली को हराकर तीसरे राउंड में किया प्रवेश

एजेंसी, नागपुर

मेलबर्न, 22 जनवरी (हि.स.)। नोवाक जोकोविच ने इतालवी क्वालिफ़ायर फ्रांसेस्को माएस्ट्रेल्ली को 6-3, 6-2, 6-2 से हराते हुए ऑस्ट्रेलियन ओपन के तीसरे राउंड में जगह बना ली। रोड़ लैवर एरीना में अपनी शानदार यात्रा जारी रखते हुए 38 वर्षीय जोकोविच रिकॉर्ड-तोड़ 11वां मेलबर्न पार्क खिताब और कुल 25वें ग्रैंड स्लैम ट्रॉफी की दिशा में एक कदम और बढ़ गए। चौथे सीड जोकोविच ने दूसरे राउंड के मैच में पूरी तरह नियंत्रण बनाए रखा और उच्च गति में जाने की आवश्यकता महसूस नहीं हुई। 23 वर्षीय माएस्ट्रेल्ली के बारे में बात करते हुए जोकोविच ने कहा, "मैं कुछ दिन पहले तक उनके बारे में ज्यादा नहीं जानता था, यह आजकल अक्सर होता है। लेकिन हमेशा सम्मान रहता है और मैंने उन्हें कम नहीं आंका। उनके पास शानदार खेल है, केवल

अनुभव की कमी है। उनका खेल उन्हें रैंकिंग में ऊँचाई तक ले जा सकता है और मैं उन्हें इसके लिए शुभकामनाएँ देता हूँ।" जोकोविच ने पहले सेट में दूसरे गेम में ब्रेक लेकर पकड़ मजबूत की और दूसरे सेट के पहले गेम में फिर से हमला करके विश्व रैंकिंग में 141वें नंबर के माएस्ट्रेल्ली पर दबाव बनाया। माएस्ट्रेल्ली ने कुछ मौके भुनाने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो सके। जोकोविच ने सेट प्वाइंट एक शानदार बैकहैंड से बनाया और उसी फ्लैक से अनरिटर्न्ड शॉट से सेट जीतकर ग्रैंड स्लैम में अपनी 399वीं जीत और मेलबर्न में 101वीं जीत दर्ज की, जो उन्हें रिकॉर्ड होल्डर रोजर फेडरर से केवल एक जीत पीछे छोड़ती है। तीसरे सेट में माएस्ट्रेल्ली ने दो ब्रेक गंवाने के बाद एक बार वापसी की, लेकिन जोकोविच ने फिर अपना स्तर बढ़ाया और जीत दर्ज कर डच खिलाड़ी बोतिक वान दे जांद्सचल्प के साथ तीसरे राउंड में मुकाबले का रास्ता साफ कर लिया।

## व्यापार

## भारत बदल रहा है कच्चे तेल की आयात रणनीति

**नई दिल्ली।** यूक्रेन युद्ध के बाद भारत रूस से कच्चे तेल का सबसे बड़ा आयातक बन गया था। अब भारतीय रिफाइनर रूस से तेल की खरीद कम कर रहे हैं और पश्चिम एशियाई देशों से आयात बढ़ा रहे हैं। इसका उद्देश्य वैश्विक बाजार में संतुलन बनाए रखना और तेल की कीमतों पर नियंत्रण रखना है। पिछले साल अमेरिका ने रूस से तेल की भारी खरीद के कारण भारतीय उत्पादों पर 50 फीसदी आयात शुल्क लगाया था। रूस से आयात कम करने से अमेरिका-भारत व्यापार समझौते को गति मिलने की संभावना बढ़ गई है। सरकारी कंपनियां जैसे हिंदुस्तान पेट्रोलियम और मैंगलोर रिफाइनरी, साथ ही निजी कंपनी एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी ने रूस से तेल की खरीद पहले ही रोक दी थी।

## रेजरपे पीओएस को आरबीआई से मिला 'ऑफलाइन पेमेंट एग्रीगेटर' का लाइसेंस

**नई दिल्ली।** वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) क्षेत्र की कंपनी रेजरपे की 'ऑफलाइन' भुगतान इकाई रेजरपे पीओएस को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) से 'ऑफलाइन पेमेंट एग्रीगेटर' के रूप में कार्य करने का लाइसेंस मिल गया है। रेजरपे के पास अब आरबीआई के तीनों प्रमुख लाइसेंस ऑनलाइन पेमेंट एग्रीगेटर, क्रॉस-बॉर्डर एग्रीगेटर (दिसंबर 2025 में प्राप्त) और ऑफलाइन पेमेंट एग्रीगेटर हो गए हैं। रेजरपे के प्रबंध निदेशक एवं सह-संस्थापक शशांक कुमार ने कहा कि हमारे लिए नियमन कोई बाद में सोचने की चीज नहीं है, बल्कि यह हमारे काम करने के तरीके का मूल हिस्सा है। रिजर्व बैंक से 'ऑफलाइन पेमेंट एग्रीगेटर' लाइसेंस मिलने से कारोबारियों को उनके व्यापक विस्तार के दौरान नियामक अनुरूप 'इन-स्टोर' भुगतान समाधान देने की हमारी क्षमता और मजबूत हुई है। फिनटेक रेजरपे भारत स्थित एक फुल-स्टैक वित्तीय समाधान कंपनी है, जो सभी आकार के व्यवसायों को ऑनलाइन भुगतान गेटवे और बैंकिंग उत्पाद प्रदान करने में विशेषज्ञता रखती है। अगस्त, 2022 में ईजटैप के अधिग्रहण के बाद ऑफलाइन क्षेत्र में प्रवेश करने वाली ये कंपनी वर्तमान में एंड्रॉइड स्मार्ट पीओएस, मैग्नेटिक स्ट्राइप पीओएस (एमपीओएस) और साउंडबॉक्स उपकरणों सहित हार्डवेयर की एक श्रृंखला प्रदान करती है।

## ट्रंप के दावोस बयान से वैश्विक बाजार में हलचल की संभावना

**नई दिल्ली।** दावोस में अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन और रूस को लेकर महत्वपूर्ण बयान दिए। ट्रंप ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को अदभुत नेता बताया और अप्रैल में चीन दौरे की पुष्टि की। इसके साथ ही उन्होंने रूसी राष्ट्रपति पुतिन को अपने प्रस्तावित बोर्ड आफ पीस मिशन में शामिल होने का न्योता दिया। पिछले सालों में अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड वॉर और टैरिफ ने वैश्विक बाजारों को प्रभावित किया था। ट्रंप के इस बयान से संकेत मिलता है कि नई बातचीत, ट्रेड डील और टेक्नोलॉजी समझौते संभव हैं। इससे एशियाई शेयर बाजारों में उछाल, अमेरिकी डॉलर में थोड़ी कमजोरी और टेक कंपनियों के शेयरों में तेजी आ सकती है। ट्रंप के पुतिन को बोर्ड ऑफ पीस में आमंत्रित करने के कदम से रूस-अमेरिका संबंध और यूक्रेन युद्ध पर नई संभावनाएं खुल सकती हैं।

# हरे निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स 398 अंक उछला

**नई दिल्ली।** हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन गुरुवार को शेयर बाजार में तीन सत्रों की गिरावट के बाद जोरदार रिकवरी देखने को मिली। सकारात्मक वैश्विक संकेतों और भू-राजनीतिक तनाव में कमी से निवेशकों का भरोसा मजबूत हुआ, जिससे घरेलू शेयर बाजार हरे निशान में बंद हुआ। सेंसेक्स 398 अंक उछला, जबकि निफ्टी में 132 अंकों की तेजी रही। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 397.73 अंक यानी 0.49 फीसदी उछल कर 82,307.37 के स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 873.55 अंक उछल कर 82,783.18 अंक तक पहुंच गया था। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सेंचज (एनएसई) का निफ्टी भी 132.40 अंक यानी 0.53 फीसदी की बढ़त के साथ

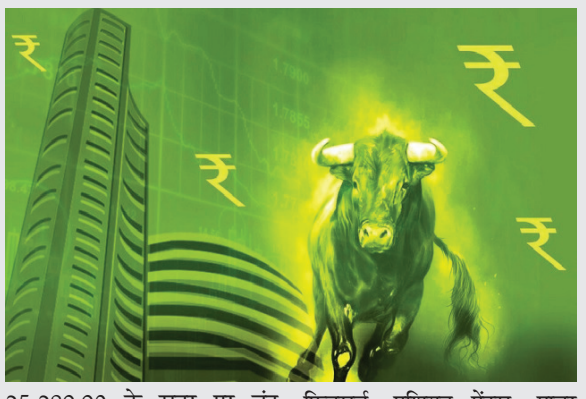

25,289.90 के स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय निफ्टी भी 278.25 अंक की तेजी के साथ 25,435.75 के स्तर तक पहुंच गया था। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में शामिल भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, टाटा स्टील, अडाणी पोर्ट्स, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फिनसर्व, एशियन पेंट्स, पावर ग्रिड, सन फार्मास्युटिकल्स, कोटक महिंद्रा बैंक, इंडिगो, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और एनटीपीसी के शेयर लाभ में रहे। वहीं, इटर्नल, टाइटन, आईसीआईसीआई बैंक, मारुति सुजुकी इंडिया और एचडीएफसी बैंक के शेयर नुकसान में रहे। इसी तरह निफ्टी में कारोबार के दौरान डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, अडानी पोर्ट्स, अडानी एंटरप्राइजेज और टाटा स्टील के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी देखने को मिली। इसके विपरीत एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, इटरनल, आइशर मोटर्स, टाइटन कंपनी और जियो फाइनेंशियल के शेयर दबाव में रहे और नुकसान के साथ बंद हुए। उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले बुधवार को 30 शेयरों पर आधारित बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 270.84 अंक गिरकर 81,909.63 अंक पर बंद हुआ था, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 75.00 अंक गिरकर 25,157.50 अंक पर बंद हुआ था।

## जयपुर, भरतपुर और बीकानेर जिलों में खुलेंगे 'अनाज एटीएम'

**लाभार्थी अपने राशन कार्ड का उपयोग कर राशन प्राप्त कर सकेंगे**

**जयपुर।** राजस्थान के जयपुर, भरतपुर और बीकानेर जिलों में जल्द ही अनाज एटीएम शुरू किए जाएंगे। राज्य के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने हाल ही में इसकी जानकारी दी। इन एटीएम के माध्यम से खाद्य सुरक्षा योजना के लाभार्थी अपने राशन कार्ड का उपयोग कर राशन प्राप्त कर सकेंगे। मंत्री ने बताया कि यह व्यवस्था विशेष रूप से उन मजदूर परिवारों के लिए उपयोगी होगी जो सुबह जल्दी काम पर जाते हैं और देर रात तक घर लौटते हैं। गोदारा ने कहा कि एटीएम को घनी बस्तियों में सामुदायिक केंद्र, खाद्य निगम के गोदाम और राशन दुकानों के पास स्थापित किया जाएगा। इसका उद्देश्य अधिक से अधिक लाभार्थी परिवारों को सुविधाजनक और समयबद्ध राशन वितरण सुनिश्चित करना है। प्रदेश में गिवअप अभियान के तहत 54.36 लाख सम्पन्न लोगों ने स्वेच्छा से राशन लेना छोड़ा, जबकि 73 लाख नए पात्र लाभार्थियों को योजना में जोड़ा गया। जयपुर जिले में 3.17 लाख, बाड़मेर में 3.07 लाख और सीकर में 3.04 लाख लाभार्थियों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम में शामिल किया गया।

## कर्ज प्रवाह में 44 फीसदी की उछाल, मांग में सुधार के संकेत: आरबीआई

**गैर-बैंकिंग और बैंक स्रोतों से वाणिज्यिक क्षेत्र को अधिक वित्त मिला**

**नई दिल्ली।** भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मासिक रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 के अप्रैल से दिसंबर के दौरान गैर-बैंकिंग स्रोतों और बैंकों द्वारा दिए गए कर्ज में पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 44 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इसे अर्थव्यवस्था में मांग की स्थिति में सुधार का संकेत माना जा रहा है, जहां ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में धीरे-धीरे मजबूती देखने को मिल रही है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक चालू वित्त वर्ष के शुरुआती नौ महीनों में वाणिज्यिक क्षेत्र को वित्तीय संसाधनों से कुल आवक बढ़कर 30.8 लाख करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में यह 21.8 लाख करोड़ रुपये थी। पूरे वित्त वर्ष 2024-25 में यह

आवक 35.09 लाख करोड़ रुपये रही थी, जबकि इससे पहले के वर्ष में 34.04 लाख करोड़ रुपये दर्ज की गई थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि गैर-बैंक स्रोतों में कॉरपोरेट बॉन्ड जारी करना और भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) शामिल है, जिनमें चालू वित्त वर्ष के दौरान तेजी देखी गई है। इसके साथ ही बैंकिंग स्रोतों से भी ऋण प्रवाह में बढ़ोतरी हुई है। आरबीआई के अनुसार 2025-26 के जीडीपी के पहले अग्रिम अनुमानों से भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती झलकती है। निजी अंतिम खपत व्यय और नियत निवेश जैसे घरेलू कारकों ने बाहरी चुनौतियों के बावजूद आर्थिक वृद्धि को सहारा दिया है। सरकार के अनुमान के मुताबिक चालू वित्त वर्ष में जीडीपी वृद्धि 7.3 प्रतिशत रहने की संभावना है, जो पिछले वित्त वर्ष में 6.5 प्रतिशत थी। रिपोर्ट में बताया गया कि दिसंबर में डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट आई, जिसका कारण विदेशी पोर्टफोलियो निवेश की निकासी और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितता रही। इसके बावजूद आरबीआई ने भू-राजनीतिक अस्थिरताओं के बीच भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर सकारात्मक दृष्टिकोण जताया है और कहा है कि भारत प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ने वाला देश बना रहेगा।

## सोना रिकॉर्ड ऊंचाई से फिसला, चांदी में तेजी बरकरार

**नई दिल्ली।** लगातार तीसरे दिन रिकॉर्ड ऊंचाई छूने के बाद गुरुवार को सोने के भाव में नरमी देखने को मिली, जबकि चांदी की शुरुआत मजबूती के साथ हुई। हालांकि दोनों कीमती धातुएं अपने-अपने रिकॉर्ड स्तर से नीचे कारोबार कर रही हैं। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में गुरुवार को सोने और चांदी की चाल अलग-अलग रही। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के वायदा भाव करीब 1,52,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के आसपास कारोबार कर रहे थे। वहीं चांदी के वायदा भाव लगभग 3,20,000 रुपये प्रति किलो के पास बने हुए थे। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रैक्ट 1,305 रुपये की गिरावट के साथ 1,51,557 रुपये पर खुला, जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,52,862 रुपये था। कारोबार के दौरान यह कॉन्ट्रैक्ट 1,52,499 रुपये तक फिसल गया। दिन के दौरान सोने ने 1,53,784 रुपये का उच्च और 1,50,140 रुपये का निचला स्तर छुआ। इस साल अब तक सोने ने 1,58,475 रुपये का सर्वोच्च स्तर दर्ज किया है। वहीं चांदी के मार्च कॉन्ट्रैक्ट की शुरुआत तेजी के साथ हुई। यह 1,351 रुपये की बढ़त के साथ 3,19,843 रुपये पर खुला। फिलहाल यह 1,463 रुपये की तेजी के साथ 3,19,955 रुपये प्रति

किलो पर कारोबार कर रहा था। चांदी ने दिन के दौरान 3,25,602 रुपये का उच्च और 3,16,500 रुपये का निचला स्तर छुआ। इसी सप्ताह चांदी ने 3,35,521 रुपये प्रति किलो का रिकॉर्ड स्तर बनाया था। कॉमेक्स पर सोने की शुरुआत सुस्त रही। सोना 4,836.20 डॉलर प्रति औंस पर खुला और बाद में 41.60 डॉलर की गिरावट के साथ 4,795.90 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करता दिखा। इस साल सोने ने 4,891.10 डॉलर का उच्च स्तर छुआ है। वहीं चांदी कॉमेक्स पर 0.55 डॉलर की तेजी के साथ 93.19 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी और इस साल इसका उच्च स्तर 95.74 डॉलर रहा है।

# भूमि पेडनेकर की सीरीज दलदल का टीजर रिलीज, वेब सीरीज में दिखेगा अभिनेत्री का बेखौफ अंदाज

प्राइम वीडियो ने अपनी हिंदी क्राइम थिलर सीरीज दलदल की दुनिया भर में प्रीमियर की तारीख 30 जनवरी घोषित की, साथ ही एक जबरदस्त, खौफनाक टीजर भी जारी किया. विष धमिजा की बेस्टसेलिंग किताब भेंडी बाजार पर आधारित दलदल एबंडेंशिया एंटरटेनमेंट का प्रोडक्शन है. इसे सुरेश त्रिवेणी ने सीरीज के लिए तैयार किया है और विक्रम मल्होत्रा तथा सुरेश त्रिवेणी ने इसे प्रोड्यूस किया है. इसका निर्देशन अमृत राज गुप्ता ने किया है और कहानी त्रिवेणी के साथ श्रीकांत अग्निस्वरन, रोहन डिसूजा, प्रिया सग्गी और हुसैन हैदरी ने लिखी है. मुंबई की पृष्ठभूमि पर आधारित, यह सीरीज मुंबई क्राइम ब्रांच की नवनियुक्त डीसीपी रीता फरेरा की कहानी है, जिसका किरदार भूमि पेडनेकर ने निभाया है, क्योंकि वह जीवित रहने के एक उच्च जोखिम वाले खेल में खुद को

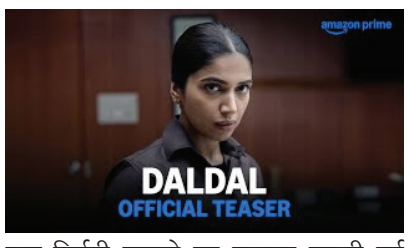


एक निर्दयी हत्यारे का सामना करती हुई पाती है. भूमि पेडनेकर के साथ, सीरीज में समारा तिजोरी और आदित्य रावल भी मुख्य भूमिकाओं में हैं. दलदल का प्रीमियर 30 जनवरी को पूरे भारत में और दुनिया भर के 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में विशेष रूप से प्राइम वीडियो पर होगा. दलदल की कहानी डीसीपी रीटा फरेरा के इर्द-गिर्द घूमती है. रीटा एक ऐसी पुलिस अधिकारी हैं जो न्याय के लिए समर्पित हैं, लेकिन अपने अतीत की गलती और अंदर के डर से परेशान भी हैं और वह एक बेरहम कातिल का पीछा करने के एक खौफनाक मिशन में फंस जाती है. टीजर दर्शकों को एक ऐसे दुनिया में ले जाता है जहां हिंसा और मानसिक डर सिर्फ चौंकाने वाला नहीं है, बल्कि लंबे समय तक असर डालता है. यह डरावना टीजर बेरहमी से मारे गए पीड़ितों को दिखाता है. उनकी कलाई काट दी जाती हैं, मुंह में कच्चा मांस, मोबाइल फोन और अन्य वस्तुएं ठूंस दी जाती हैं. हर अपराध एक विकृत मानसिकता को उजागर करता है. जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ती है, रीटा खुद को केस की बर्बरता और अपने अंदर की उथल-पुथल के बीच फंसी पाती हैं. साथ ही, उन्हें पुलिस बल के भीतर मौजूद पक्षपात का भी सामना करना पड़ता है. टीजर की बर्बरता के चित्रण से साफ है कि यह सीरीज कमजोर दिल वालों के लिए नहीं है. मूल रूप से, दलदल सिर्फ एक क्राइम-सस्पेंस कहानी नहीं है, बल्कि यह आघात और नैतिकता की गहन पड़ताल भी है. यह कहानी केवल यह नहीं पूछती कि अपराध किसने किया, बल्कि उससे कहीं अधिक भयावह सवाल उठाती है कि ऐसा क्यों किया गया. 'दलदल के साथ प्राइम वीडियो पर इस क्राइम सीजन की रोमांचक शुरुआत हो रही है. इस सीजन में शामिल हैं, 'क्रॉस के दूसरे सीजन में एल्डिस हॉज की बहुप्रतीक्षित वापसी, गाई रिची की 'यंग शर्लक, जो प्रिय जासूस शर्लक होल्म्स की नई व्याख्या और उत्पत्ति कहानी पेश करती है और 'स्कार्पेटा, एक रोमांचक और परिष्कृत फोरेंसिक मिस्ट्री जिसमें निकोले किडमैन और जैमी ली कर्टिस. इसके अलावा, इस सीजन में है '56 डेज, एक नई थ्रिलर सीरीज, जो कैथरीन रयान हॉवर्ड के बेस्टसेलिंग उपन्यास पर आधारित है और डव कैमरून स्टारर है, साथ ही तेलुगु फिल्म 'चीकटिलो, जिसमें शोभिता धुलिपाला हैं. ये सभी प्रोजेक्ट्स इस वसंत ऋतु में विशेष रूप से प्राइम वीडियो पर लॉन्च होंगे.

## ह्यूमन कोकेन के ट्रेलर ने अपनी डार्क, खतरनाक और बेरहमी से असली दुनिया से दर्शकों को हिलाकर रख दिया

ह्यूमन कोकेन का ट्रेलर आख़िरकार अलग-अलग डिजिटल और मीडिया प्लेटफॉर्म पर रिलीज़ हो गया है और शुरुआती रिएक्शन आ रहे हैं। चौंकाने वाले विज़ुअल्स और इंटेंस पलों से भरी यह फिल्म ड्रग रैकेट, क्राइम और सर्वाइवल की छिपी हुई दुनिया में एक रॉ और बेचैन करने वाला लुक दिखाती है। ट्रेलर में पुष्कर जोग को एक कैदी के रूप में पूरी तरह से बदले हुए अवतार में दिखाया गया है, जो एक खतरनाक और मुश्किल जाल में फंसा हुआ है। इशिता राज, जो अपने रोमांटिक और हल्के-फुल्के रोल्स के लिए जानी जाती हैं, पहली बार एक डार्क, ग्रिटी और गंजी किरदार निभा रही हैं, जो एक एक्ट्रेस के तौर पर उनकी वर्सेटिलिटी दिखाती है। पुष्कर के साथ कैदी बनी इशिता, एक ज़मीनी और इमोशनल गहराई लाती है जो हर फ्रेम में टेंशन को बढ़ाती है। सिद्धांत कपूर अपने अनोखे लुक से एक ज़बरदस्त असर डालते हैं, एक ब्लैक मिनी ड्रेस में दिखाई देते हैं जो उनके रहस्यमयी और एजी किरदार को और बढ़ा देता है। जाने-माने एक्टर ज़ाकिर हुसैन एक डरावने और दमदार रोल में हैं, और अपनी खतरनाक मौजूदगी से एक गहरी छाप छोड़ते हैं। ह्यूमन कोकेन कोकेन के एक नए, बहुत महंगे रूप के उभरने को दिखाती है, जिसे बहुत ही बेरहम और परेशान करने वाले प्रोसेस से बनाया गया है। जैसे-जैसे यह डरावनी सच्चाई सामने आती है, पुष्कर जोग और इशिता राज खुद को इसके अंधेरे और खतरनाक जाल में फंसा हुआ पाते हैं। इंटेंस पलों, परेशान करने वाले विज़ुअल्स और कड़वी सच्चाइयों से भरी यह फिल्म असली घटनाओं से प्रेरित एक गहरी कहानी पेश करती है, जो अंडरवर्ल्ड के एक ऐसे पहलू को सामने लाती है जो ज़्यादातर अनदेखा रहता है। फिल्म के बारे में बात करते हुए, पुष्कर जोग ने कहा, ह्यूमन कोकेन ने मुझे एक एक्टर और एक इंसान के तौर पर आगे बढ़ाया। यह कैरेक्टर ऐसे हालात में फंसा हुआ है जो उसके कंट्रोल से बाहर हैं और वह लाचारी, वह डर, वह गुस्सा कैमरा बंद होने के बाद भी मेरे साथ रहा। यह मेरे अब तक के सबसे इंटेंस प्रोजेक्ट्स में से एक है। राइटर और डायरेक्टर सरीम मोमिन ने कहा, ह्यूमन कोकेन हमारे आस-पास मौजूद एक डरावनी सच्चाई की झलक है। इसे देखना आरामदायक या आसान नहीं है। यह परेशान करने, उकसाने और बातचीत शुरू करने के लिए है। इस फिल्म का हर किरदार समाज के एक ऐसे पहलू को दिखाता है जो अक्सर छिपा होता है। इशिता राज, सिद्धांत कपूर, ज़ाकिर हुसैन और ब्रिटिश एक्टर्स की एक दमदार टीम वाली इस फिल्म में एक मज़बूत इंटरनेशनल एस्थेटिक है। सरीम मोमिन द्वारा डायरेक्ट और लिखी गई, ह्यूमन कोकेन को स्कारलेट स्लेट स्टूडियोज़, वाइनलाइट लिमिटेड और टेक्स्टस्टेप सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले गूज़बंप्स एंटरटेनमेंट के साथ मिलकर प्रोड्यूस किया गया है। प्रोड्यूसर ची टेंग जू और हरित देसाई हैं। फिल्म को सिनेमैटोग्राफर सोपान पुरंदरे ने शूट किया है और संदीप फ्रांसिस ने एडिट किया है। ज़बरदस्त बैकग्राउंड स्कोर क्षितिज तारे ने बनाया है, जबकि कोरियोग्राफी पवन शेट्टी और खालिद शेख़ ने की है, जो कहानी में और गहराई लाती है। यूनाइटेड किंगडम में बड़े पैमाने पर शूट की गई, ह्यूमन कोकेन सिर्फ़ एक फ़िल्म नहीं है — यह उस दुनिया का एक पक्का आईना है जिसका सामना करने से हम डरते हैं। यह फ़िल्म 30 जनवरी, 2026 को थिएटर में रिलीज़ होगी।

## बॉक्स ऑफिस पर गदर मचा रही चिरंजीवी की फिल्म, 8वें दिन तोड़ा 'वाल्टेयर वीरैया का रिकॉर्ड

अनिल रविपुडी द्वारा निर्देशित और चिरंजीवी स्टारर मना शंकरा वारा प्रसाद गारू बॉक्स ऑफिस पर शानदार परफॉर्म कर रही है. यहां तक कि प्रभास की द राजा साब की भी इस फिल्म ने छुट्टी कर दी है. इस फैमिली एंटरटेनर ने रिलीज के पहले हफ्ते में ही 150 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया था. चलिए यहां जानते हैं मंडे टेस्ट में इस फिल्म का कैसा हाल रहा है? मना शंकरा वारा प्रसाद गारू 12 जनवरी को संक्रांति के त्योहार के बीच रिलीज हुई थी. ये फिल्म पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर दबदबा बनाए हुए हैं और तमाम बड़ी फिल्मों के बीच ये दर्शकों को सिनेमाघरों में खींचने में कामयाब हो रही है. हालांकि 8वें दिन यानी दूसरे मंडे को इसकी कमाई में भी गिरावट दर्ज की गई और इसने रिलीज के बाद पहली बार सिंगल डिजिट में कमाई की. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक मना शंकरा वारा प्रसाद गारू ने रिलीज के 8वें दिन यानी दूसरे मंडे को भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 8 करोड़ कमाए हैं. इसी के साथ इस फिल्म की 8 दिनों की कुल कमाई अब 165.90 करोड़ रुपये हो गई है. वहीं रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म ने अपने प्रीमियर से 9.35 करोड़ रुपये कमाए थे. इसके बाद फिल्म ने पहले दिन 32.25 करोड़, दूसरे दिन 18.75 करोड़ और तीसरे दिन 19.5 करोड़ की कमाई की. चौथे दिन इसने 22 करोड़, पांचवें दिन 19.5 करोड़, छठे दिन 18.9 करोड़ और सातवें दिन 17.65 करोड़ कमाए थे. फिल्म ने अच्छी कमाई की है, लेकिन इसे मिले-जुले रिव्यू मिले हैं. वहीं इस फिल्म ने चिरंजीवी की पिछली फिल्मों के लाइफटाइम कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया है. इनमें भोला शंकर ने भारत में 30.63 करोड़ रुपये, आचार्य ने 56.14 करोड़ रुपये, गॉडफादर ने 74.03 करोड़ रुपये और वाल्टेयर वीरैया 161.06 करोड़ कमाए थे. फिल्म में वेंकटेश और कैथरीन ट्रेसा भी हैं. कहानी शंकरा वर प्रसाद के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारी हैं और अपनी बिछड़ी हुई पत्नी और बच्चों की रक्षा करने और उनसे फिर से मिलने की कोशिश करता है. फिल्म का नाम चिरंजीवी के जन्म नाम, शिवशंकर वरप्रसाद पर रखा गया है.

## शादी के 10 साल और यह सफर अभी भी जारी है: असिन

फिल्मी दुनिया की चमक-दमक से दूर अभिनेत्री असिन थोट्टुमकल एक बार फिर चर्चाओं में हैं। न्होंने शादी की 10वीं सालगिरह के जश्न की झलक साझा की, जिसे उन्होंने बेहद खास और रोमांटिक अंदाज में मनाया। साउथ से लेकर बॉलीवुड तक अपनी दमदार एक्टिंग से पहचान बनाने वाली असिन भले ही अब फिल्मों में नजर नहीं आतीं, लेकिन उनकी झलक का फैंस आज भी इंतजार करते हैं। खास मौके पर असिन ने सोशल मीडिया के जरिए अपनी खुशियों को लोगों के साथ साझा किया। असिन ने अपनी 10वीं वेडिंग एनिवर्सरी के मौके पर इंस्टाग्राम स्टोरीज में कई तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए। इनमें उनके पति और बिजनेसमैन राहुल शर्मा भी नजर आए। एक वीडियो में राहुल शर्मा असिन के लिए मशहूर गायक जॉन लेजेंड का गाना ऑल ऑफ मी गाते दिखाई दिए। इस दौरान असिन की हंसी साफ देखी जा सकती है। असिन ने सबसे पहले एक खूबसूरत सैंड आर्ट की तस्वीर साझा की, जिसे उन्होंने खुद बनाया। इस पर लिखा ए+आर = एआर, और इसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, शादी के 10 साल पूरे हो चुके हैं और यह सफर अभी भी जारी है। इसके बाद असिन ने कुछ वीडियो पोस्ट किए, जिनमें उनकी एनिवर्सरी सेलिब्रेशन

की शानदार सजावट देखने को मिली। एक रोमांटिक कैनोपी को लाइटिंग, पर्दे और गुलाब की पंखुड़ियों के साथ खास तरीके से सजाया गया। एक वीडियो के बैकग्राउंड में हॉलीवुड फिल्म टाइटैनिक का मशहूर गाना माई हार्ट विल गो ऑन बज रहा है। इस खास मौके पर असिन ने बेटी आरिन का नोट भी शेयर किया, जिसे उनकी बेटी ने अपने हाथों से लिखा था, हैप्पी एनिवर्सरी मम्मी-पापा, मैं आपसे बहुत प्यार करती हूं। पूरी दुनिया में आप सबसे अच्छे मम्मी-पापा हैं। असिन और राहुल शर्मा की शादी जनवरी 2016 में हुई थी। पहले उनकी शादी ईसाई रीति-रिवाज से हुई और उसके बाद हिंदू परंपरा के अनुसार विवाह संपन्न हुआ।

## रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर 2 को मिला टाइटल, सेंसर बोर्ड ने टीजर को दिया ए सर्टिफिकेट, रनटाइम 1 मिनट 48 सेकेंड

धुरंधर की अपार सफलता के बाद अब दर्शकों को धुरंधर 2 का बेसब्री से इंतजार है. धुरंधर आगामी मार्च महीने में रिलीज होने के लिए तैयार है. इस बीच खबर आई है कि आगामी 23 जनवरी को रिलीज हो रही फिल्म बॉर्डर 2 के इंटरवल में धुरंधर 2 का टीजर देखने को मिल सकता है. अब धुरंधर के सीक्वल को लेकर बड़ी खबर सामने आई है. धुरंधर के सीक्वल का टाइटल और टीजर की डिटेल सामने आ चुकी है. धुरंधर के सीक्वल का टीजर सेंसर बोर्ड से भी पास हो चुका है और इसे बोर्ड ने ए सर्टिफिकेट दिया है. रिपोर्ट्स की मानें तो, धुरंधर के सीक्वल का टाइटल धुरंधर 2: द रिवेंज बताया जा रहा है. हालांकि मेकर्स ने अभी इसकी पुष्टि नहीं की है. कहा जा रहा है कि आने वाले हफ्ते में धुरंधर 2 से बड़ा अपडेट दर्शकों को मिल सकता है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, बीती 19 जनवरी को सेंसर बोर्ड ने फिल्म धुरंधर 2 के टीजर को पास कर दिया है, लेकिन इसे ए सर्टिफिकेट दिया है. टीजर का रनटाइम 1 मिनट 48 सेकेंड का बताया जा रहा है. मेकर्स ने इस बार टीजर को छोटा रखा है और वो फिल्म को लेकर ज्यादा खुलासा नहीं करने के मूड मे हैं. रिपोर्ट्स की मानें तो यह भी कहा जा रहा है धुरंधर 2 का टीजर 23 जनवरी को रिलीज हो रही फिल्म बॉर्डर 2 के साथ रिलीज किया जाएगा. धुरंधर बीती 5 दिसंबर 2025 को रिलीज हुई थी और फिल्म वर्ल्डवाइड 1300 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर चुकी है और घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 900 करोड़ रुपये के करीब पहुंच चुकी है. धुरंधर अभी भी बॉक्स ऑफिस पर टिकी है और अपनी रिलीज के 46 दिन पूरे कर चुकी है. आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म में रणवीर सिंह, सारा अर्जुन, अर्जुन रामपाल, आर माधवन, अक्षय खन्ना, संजय दत्त और राकेश बेदी अहम रोल में नजर आए हैं. फिल्म में हर एक्टर ने अपने रोल में जान फूंक दी है. धुरंधर इन सभी स्टार के करियर की हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्म बन गई है. वहीं, धुरंधर बॉलीवुड की दूसरी सबसे कमाऊ फिल्म है, जो आमिर खान की दंगल से पीछे है और शाहरुख खान की जवान और पठान का रिकॉर्ड तोड़ चुकी है.

## हद से ज्यादा छोटी ड्रेस में अनुष्का सेन ने दिखाया किलर अंदाज, बैक लुक देख पानी-पानी हुए लोग

बालवीर, झांसी की रानी और देवों के देव... महादेव जैसे सीरियल्स से घर-घर में अपनी पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने कान्स फिल्म फेस्टिवल तक अपना जलवा बिखेरा है. एक्ट्रेस सिर्फ पर्दे तक ही सीमित नहीं है, वह सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपनी तस्वीरों से इंटरनेट का पारा हाई करती रहती है. इसी बीच अनुष्का ने शॉर्ट ड्रेस में ऐसी फोटोज शेयर की है, जिन्हें देखकर फैंस पानी-पानी हो गए हैं. अनुष्का सेन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपनी बोल्ड और हॉट तस्वीरों से आग लगाती रहती हैं. इसी बीच एक्ट्रेस ने अब वन-पीस ड्रेस में शानदार पोज देते हुए अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जो इंटरनेट पर वायरल हो रही हैं. लेटेस्ट तस्वीरों में अनुष्का सेन येलो वन पीस शॉर्ट ड्रेस में बेहद ग्लैमरस और हॉट नजर आ रही हैं. हद से ज्यादा छोटी ड्रेस में एक्ट्रेस ने जमकर कर्वी फिगर फ्लॉन्ट किया. लेकिन इस दौरान हर किसी की नजर उनकी बैकलेस बैक पर टिक गई जिसे देखकर लोग पानी-पानी हो गए. लेटेस्ट तस्वीरों में अनुष्का सेन येलो वन पीस शॉर्ट ड्रेस में बेहद ग्लैमरस और हॉट नजर आ रही हैं. हद से ज्यादा छोटी ड्रेस में एक्ट्रेस ने जमकर कर्वी फिगर फ्लॉन्ट किया. लेकिन इस दौरान हर किसी की नजर उनकी बैकलेस बैक पर टिक गई जिसे देखकर लोग पानी-पानी हो गए. अनुष्का की पॉपुलैरिटी का अंदाजा उनके इंस्टाग्राम फॉलोअर्स की संख्या से ही लगाया जा सकता है. इंस्टाग्राम पर उनके 39.2 मिलियन से भी ज्यादा फॉलोअर्स हैं. यही वजह है कि, एक्ट्रेस का पोस्ट आते ही वायरल हो जाता है. अनुष्का सेन ने बहुत ही कम उम्र में एक्टिंग की दुनिया में कदम रख दिया था. हालांकि, उन्हें पहचान बालवीर शो से मिली थी. इसके अलावा वह झांसी की रानी और हाल ही में दिल दोस्ती डिलेमा जैसे शोज में भी दमदार अभिनय दिखा चुकी हैं. बता दें कि, टीवी सीरियल्स के साथ-साथ अनुष्का सेन ने बॉलीवुड में भी अपनी किस्मत आजमाई है. उन्होंने एम आई नेक्स्ट और क्रेजी कुक्कड़ फैमिली जैसी फिल्मों में भी अभिनय किया है. सोशल मीडिया पर सेलिब्रिटीज को अक्सर ट्रोल्स का सामना करना पड़ता है और अनुष्का भी इससे अछूती नहीं हैं. लेकिन वह अक्सर ऐसे कमेंट्स को नजरअंदाज करके या मजेदार तरीके से जवाब देकर आगे बढ़ जाती हैं.

## बॉर्डर 2 ने एडवांस बुकिंग में काटा गदर, सनी देओल पहले दिन तूफान लाने को तैयार

सनी देओल की देशभक्ति पर आधारित फिल्म बॉर्डर 2 23 जनवरी को दुनियाभर के सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इससे पहले फिल्म ने एडवांस बुकिंग में अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। 1997 की क्लासिक युद्ध फिल्म बॉर्डर की इस बहुप्रतीक्षित सीक्वल ने संकेत दे दिया है कि नए साल में यह बॉक्स ऑफिस पर बड़ा तूफान बनकर दस्तक देगी। अनुराग सिंह द्वारा निर्देशित बॉर्डर 2 पहले दिन संभावित 40 करोड़ रुपये से खाता खोल सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक, बॉर्डर 2 ने 19 जनवरी तक देश के 3 सबसे बड़े मल्टीप्लेक्स में 13,500 टिकटों की बिक्री कर ली थी। वहींसैकनिल्क के अनुसार, 20 जनवरी की दोपहर तक इसने देशभर में कुल 55,223 टिकट बेच दिए हैं। बॉर्डर 2 गणतंत्र दिवस से 3 दिन पहले यानी, 23 जनवरी को हो रही है। जानकारों का मानना है कि भारत में पहले दिन 40 करोड़ के नेट कलेक्शन के साथ, फिल्म त्योहार छुट्टी तक अच्छा कारोबार कर लेगी। साल 2023 में रिलीज

फिल्म गदर 2 के जरिए सनी ने सिल्वर स्क्रीन पर दमदार वापसी की थी। इसने पहले दिन भारत में 40.10 करोड़ का नेट कलेक्शन किया था। अब देखना होगा कि बॉर्डर 2 पहले दिन इस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ पाती है या नहीं। फिल्म में सनी के अलावा वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी भी हैं जिससे लोगों की उम्मीदें काफी ज्यादा बढ़ चुकी हैं। अभिनेत्री सोनम बाजवा और मोना सिंह भी इसका हिस्सा हैं।

# Guru as 'parent', elephants on the road: Voter-roll fixes in Bengal get inventive

**New Delhi,Agency:** Monks and nuns may have renounced all trappings of worldly life — and many of them do not vote — but they, too, are being called for SIR (Special Intensive Revision) hearings, mainly for listing their spiritual gurus' names under the 'name of parent' column in the electoral records. Taking cognisance of the inconvenience faced by monastic orders, the Election Commission (EC) has directed district election officers (DEOs) to conduct hearings at ashrams and religious institutions, instead of asking monks to travel to designated centres. In cases where supporting documents are unavailable, the DEO — who is the district magistrate — has been authorised to act as a quasi-judicial authority and clear voter applications.

The issue surfaced after several monks received hearing notices due to address and identity mismatch, caused by years of transfers between ashrams. Eighty-two-year-old Swami Muktikamananda, adhyaksha of the century-old Gadadhar Ashram (Ramakrishna Math) in Bhowanipur, south Kolkata, said his voter ID card and Aadhaar were linked to a Ramakrishna Math in Bankura (more than 200km from Kolkata), where he had stayed for an extended period.

"I was initially asked to attend a hearing in Bankura, but after intervention by electoral officials, I submitted my enumeration form in Bhowanipur itself," he said.

Last Wednesday, around 90 monks attended a special SIR camp organised at Belur Math, with hearings held at

the Abhedananda Convention Centre. Participants included residents of the Belur headquarters as well as monks from centres such as the Ramakrishna Mission Ashrama in Narendrapur. While monks of the Ramakrishna Math and Mission do not vote, they seek inclusion in electoral rolls to avoid complications in visa applications and administrative work.

Monks from Bharat Sevashram Sangha (BSS) and Iskcon, many of whom do vote, have also received SIR notices. Swami Mahadevananda of BSS said several monks had listed founder Acharya Swami Pranavananda's name as their parent, triggering document mismatches. General secretary Dilip Maharaj said monks without passports attended a special hearing on Jan 20 at the Ballygunge headquarters. Iskcon spokesperson Radharamn Das said monks who had earlier voted in Kolkata had been asked to submit fresh documents from their native places across India and abroad.

Avoiding elephant routes

Voters in Jhargram and West Midnapore — in Bengal's Jangalmahal, about 150km from Kolkata — have, over the years, learnt how to coexist with elephants. It's a sort of mutual respect, born out of a certain wariness — and a tacit understanding: "Stay out of my hair, and I'll stay out of yours."

During the SIR, regular elephant movement has coincided with a sudden rise in human movement — residents with voter detail anomalies are having to travel far and wide to arrive at hearing centres, a highly unsafe exercise. And, so, the poll body said yes when the two district administrations wanted to set up multiple hearing centres, located near human settlements, across six assembly constituencies. Similar arrangements are also being planned in elephant-heavy pockets of North Bengal. In West Midnapore, voters from select Jangalmahal villages will attend hearings at the Pirakata Community Hall, under the jurisdiction of Salboni police station. Salboni BDO Ruman Mondal said residents of villages such as Kalsibhanga, Satpati, Kalaimuri, Garmal, Lalgaria and Bhimpur were directed to appear at the new centre from Jan 15.

# Jorwal's Swift Rebuttal Exposes Zee News' Unverified Sugar Mill Land Narrative

Sagar Suraj

**MOTIHARI:** In a stark reminder of media accountability, East Champaran District Magistrate Saurabh Jorwal has decisively countered a baseless Zee News digital report accusing him of enabling the sale of land tied to the defunct Chakia Sugar Factory. The unverified story, swiftly retracted after administrative pushback, underscores the perils of sensationalism masquerading as journalism. District officials dismissed the Zee News piece—published on the platform founded by media mogul Subhash Chandra—as "fabricated and malicious." It is utter misuse of freedom of speech as without quoting DM or verifying facts, the story was carried. "This was a deliberate attempt to tarnish the DM's reputation and manipulate public perception," an anonymous official told. DM Jorwal's prompt clarification via the official Information and Public Relations Department (IPRD) whatupp group dismantled the claims. "No official can order land sales or purchases. The administration only facilitates regulatory compliance and court directives," he stated. Officials confirmed the Chakia factory land registry adhered strictly to judicial orders, with no administrative overreach. Zee News deleted the report following the rebuttal, but the reporter allegedly peddled similar versions elsewhere. Allegely to declare false narative true to appease his false ego, the official said. This isn't isolated. The reporter previously targeted a bilingual newspaper journalist based in Motihari. The journalists, in his one of the report had questioned Mahatma Gandhi Central University's Vice-Chancellor appointment. The same reporter in the zee news digital portal falsely claimed that a defamation notice would be issued against the said journalists for questioning VC' appointment revealing his illegal proximities with VC. University sources however, denied any such action, exposing another unverifiable narrative by the same reporter on the same platform. The District Public Relations Officer (DPRO) Gyaneshwar Prakash indicated potential legal steps against the zee news reporter and platform for disseminating "biased, unverified information." "We're evaluating action under Press Council of India guidelines," the DPRO said. DM Jorwal's firm stance exemplifies administrative transparency amid Bihar's complex land disputes, particularly around shuttered sugar mills like Chakia and Motihari. As digital media proliferates, this episode reignites debates on ethical reporting versus clickbait. Jorwal's response not only vindicates his office but spotlights the need for fact-checked journalism. In an era of yellow journalism, upright officers like him safeguard public trust.

# Display West Bengal discrepancies, unmapped list by Jan 24: EC

**New Delhi, Agency:** Pursuant to the Jan 19 SC direction, Election Commission on Wednesday instructed the Bengal CEO to ensure that names of electors listed under "logical discrepancies" and "unmapped" categories under the SIR exercise are displayed by Jan 24 at gram panchayat bhawans, public places in talukas, block office of talukas as well as in ward offices of urban centres, reports Bharti Jain. People in these two categories can submit documents/objections through their authorised representative, who can even be a booth level agent.

However, there will be a signed/thumb-marked authority letter, by the person, in favour of such a representative. On Wednesday, EC wrote to Bengal chief secretary and DGP, asking them to provide adequate manpower to state CEO for deployment at panchayat bhawans/block offices .

# Operation Trashi-I: Day 5 sees fresh encounter in J&K's Kishtwar; JeM terrorists holed up in dense forests

**New Delhi,Agency:** A fresh gunfight broke out on Thursday between security forces and holed-up terrorists during an ongoing search operation in the higher reaches of Jammu and Kashmir's Kishtwar district, officials said.

The operation, codenamed "Operation Trashi-I", was launched in Sonnar village near Mandral-Singhpora in the Chatroo belt on Sunday. During the initial contact, three soldiers were injured when a search team encountered terrorists around noon in the Sonnar area, northeast of Chatroo. Officials said, "One of the search teams encountered a group of two to three foreign terrorists, believed to be affiliated with Pakistan-based Jaish-e-Mohammad (JeM). The terrorists allegedly opened indiscriminate fire and lobbed grenades in an attempt to breach the cordon."

A major terrorist hideout was unearthed near the scene of the

encounter on Monday, and several individuals were picked up for questioning, the officials said.

The situation escalated on Thursday morning when a fresh contact was established with the holed-up terrorists in the dense forests of Singhpora. "Heavy firing between the two sides was going on when last reports were received, and efforts are on to neutralise the terrorists operating in the area," officials said. A group of two to three terrorists allegedly affiliated with JeM are believed to be trapped in the encounter, according to the officials.

# EC seeks WB reply for defying its order against poll officers

**New Delhi,Agency:** Taking exception to Bengal govt's decision to unilaterally exonerate Baruipur Purba assembly constituency assistant electoral registration officer (AERO) Tathagata Mondal and impose only a minor penalty against Moyna AC AERO Sudipta Das — despite clear instructions by Election Commission (dated 05.08.2025) to suspend and initiate disciplinary proceedings against them — EC Wednesday asked the state chief secretary to get the competent authority to submit to the commission a written explanation for the "procedural lapse".

The explanation — sought by 5pm on Jan 24 — must detail the circumstances that led to non-compliance with the commission's instructions, which had mandated that disciplinary authorities shall consult EC before closing or finalising any matter arising out of disciplinary proceedings initiated on the poll panel's recommendation. "Since the disciplinary proceedings have been finalised without

adherence to the prescribed procedure and without mandatory consultation with the Commission, the Commission does not accept such finalisation of disciplinary action. Accordingly, the same shall be treated as procedurally irregular and non est in the eyes of the Commission, warranting reconsideration," EC said in the letter sent to the state chief secretary.

As part of the explanation sought by EC, the competent authority has been asked to furnish the complete disciplinary case records, including the articles of charge, written statements of defence, inquiry reports, findings of the inquiry authority, orders of the disciplinary authority, file notings and all other relevant records forming the basis of the disciplinary action taken in respect of four officials, namely Tathagata Mondal, Debottam Dutta Choudhury, Biplab Sarkar and Sudipta Das.

The commission had directed the state govt to suspend and initiate suitable disciplinary proceedings against the EROs/AEROs concerned and lodge FIRs against the erring officials, including the contractual data entry operator, under Section 32 of the RP Act, 1950, read with the relevant provisions of the Bharatiya Nyaya Sanhita, 2023, and Information Technology Act, 2000. Sources said they were allegedly disposing of applications for inclusion in the electoral roll without proper verification or allowing a window for filing claims and objections.

# New rule: 5 or more traffic offences in a year, you may be barred from driving

**New Delhi,Agency:** Five or more traffic offences in a year and you could be barred from driving.

This provision — disqualification or revocation of driving licence (DL) — has been added by the road transport ministry through a fresh amendment to the Motor Vehicles Rules to rein in habitual errant drivers. The licencing authority — regional transport office (RTO) or district transport office (DTO) — has the power to decide on suspension of DL.

The Rules also state that the licencing authority must give the licence holder an opportunity of being heard.

The notification published on Wednesday said the condition of five or more offences of provisions of the MV Act or Rules in a year for disqualification of DL commences from Jan 1. It added that "no offence or contravention recorded in any previous one-year period shall be taken into account for determining offences or contravention in any subsequent one-year period".

Till now there were 24 provisions in the Rules that could trigger the licencing authority concerned to initiate disqualification of DL. These included theft of vehicle, assault on passenger(s), abduction of passenger(s), driving beyond permitted speed limit, overloading and abandoning vehicle in a public space. These provisions have been made considering that these "constitute nuisance or danger to public". Now, going by the new provision of five or more traffic offences, such as not wearing helmet, seat belt and jumping red signal, can result in suspension of DLs.

The new provision drew mixed reaction from experts in road traffic laws. Former Delhi deputy transport commissioner Anil Chhikara said that disqualification after five offences is a step in the right direction, but "the conflict is that people driving dangerously are not caught by traffic police". He added that in absence of a standard operating procedure (SOP), traffic offences recorded using CCTV cameras are often challenged in courts. Hence, there is a need to have SOP and disposal guidelines, he said.

Rohit Baluja, who teaches police, transport and judicial officers on laws related to motor vehicles, termed the amendment "draconian and conceptually flawed". He said, "Disqualification is a second-order enforcement tool, meant to follow fair, consistent, and credible primary enforcement. In a system where enforcement across states remains uneven, often revenue-driven, and weak on due process, such a provision will inevitably invite discretionary misuse by enforcement personnel." "Instead of improving road safety, it risks punishing drivers for minor, repetitive infractions while ignoring the deeper structural causes of violations — poor traffic engineering, inadequate signage, confusing road layouts, and the absence of uniform deterrence for serious offences," he said.

The ministry's notification also specified the procedures for issuing, managing and paying traffic challans, or fines. It said that any police officer in uniform or any other officer authorised by state govt will issue a challan, either in physical or electronic form, and there can be auto-generation of e-challans. The violator can pay the challan or contest it within 45 days.

Failure to contest within 45 days will be treated as deemed acceptance by the offender. In such a case, they must pay the penalty in the next 30 days. In case, a challan is challenged, the authority concerned must resolve it within 30 days and failure to adhere to this timeline, the challan will be quashed.